{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 22 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 268
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

14 महीने बाद खुला नारानाग टूरिस्ट स्पॉट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित प्रसिद्ध नारानाग पर्यटन स्थल को करीब 14 महीने बाद फिर से खोल दिया है। एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा के बाद इस स्थल को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने के निर्देश दिए। नारानाग मध्य कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह टूरिस्ट स्पॉट पिछले साल अप्रैल में पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले के बाद बंद कर दिया गया था।

अमोनिया गैस लीक, सात की मौत

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई। यह रिसाव पेरियापालयम के पास कन्निगाइपैर स्थितसेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैक्ट्री में हुआ। घटना की सूचना मिलते ही अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चौथी बटालियन को अलर्ट किया गया। तमिलनाडु लोकभवन की तरफ से एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया- तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास कनिगईपैर गांव में एक झींगा प्रोसेसिंग फैक्टरी में अमोनिया गैस लीक की दुखद घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई और कई कर्मचारी घायल हो गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

तुषार मेहता फिर बने भारत के सॉलिसिटर जनरल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी। यह उनकी तीसरी बार पुनर्नियुक्ति की गई है। इससे पहले दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया जा चुका है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में तुषार मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो। मेहता को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा देने के बाद अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। केंद्र सरकार ने बाद में उन्हें 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी तीन साल के कार्यकाल के लिए और फिर 2023 में पुन: नियुक्त किया।

नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा : हिजाब पर विवाद, कलावा-इयररिंग्स उतरवाए, कपड़ों से चेन-बटन निकाले, एक मिनट की देरी बनी मुसीबत, एंट्री ना मिलने पर रोते रहे परीक्षार्थी

गेट बंद और अधूरे सपने...

नई दिल्ली/भोपाल। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार को देश और विदेश के 5000 से ज्यादा सेंटर्स पर नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा संपन्न हुई। एनटीए ने 3 मई को हुई परीक्षा रद्द कर दी थी, जिसके बाद यह दोबारा परीक्षा हो रही है। इस बार पेपर लीक होने और दूसरी गड़बड़ियों के आरोप लगे थे। रविवार को परीक्षा दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे तक हुई, इस बार 15 मिनट का एक्स्ट्रा समय दिया गया। यह परीक्षा भारत के 551 शहरों में 5,440 सेंटर्स और विदेश में 14 सेंटर्स पर हुई, यह अंग्रेजी और 12 भारतीय भाषाओं में हुई है। लेकिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में परीक्षा से पहले ऐसी घटना घटी, जिसने सभी को द्रवित कर दिया। इधर, हैदराबाद में 19 साल की एक नीट छात्रा ने आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह उसके अपार्टमेंट में फंदे से लटका शव मिला। पुलिस को आशंका है कि उसने री-एग्जाम के दबाव में यह कदम उठाया। मौके से मिले सुसाइड नोट में छात्रा ने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।

कर्नाटक के बेंगलुरु में रविवार को हुई जब चार छात्राओं को दोपहर 1:30 बजे की समय सीमा के ठीक बाद पहुंचने के बाद बेंगलुरु में एक नीट परीक्षा केंद्र में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। माता-पिता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रैली के कारण यातायात जाम और पुलिस प्रबंधन की कमी के कारण देरी हुई। इस वजह से उन्हें परीक्षा हॉल में एंट्री करने नहीं दी गई। वे गेट पर फरियाद करते और एंट्री के लिए गिड़गिड़ाते दिखीं और वे छात्राएं रो भी रही थीं।

बेंगलुरु-मुंबई में प्रवेश से वंचित छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर 1:29 बजे एक घोषणा की गई कि गेट बंद होने से पहले यह आखिरी मिनट है। ठीक 1:30 बजे, नीट दिशानिर्देशों के अनुसार मुख्य द्वार बंद कर दिया गया, जो निर्धारित समय के बाद प्रवेश पर रोक लगाता है लेकिन, एग्जाम हॉल का अंदर का गेट भी बंद था और वे अंदर नहीं जा सके। इसी तरह से मुंबई के परेल इलाके में महर्षि दयानंद कॉलेज में उस समय तनाव फैल गया, जब दो नीट उम्मीदवारों को देर से पहुंचने के बाद प्रवेश से वंचित कर दिया गया। कॉलेज प्रशासन ने निर्धारित समय सीमा का सख्ती से पालन किया और गेट बंद रखे, जिससे छात्रों ने बाहर हंगामा किया। एक छात्र कुर्ला का है, और दूसरा मुंबई से सटे डोंबिवली इलाके का है। इसी तरह की घटना एक चौथे स्टूडेंट के भी एक मिनट से एंट्री मिस करने की खबर है। पेरेंट्स ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रैली की वजह से सडकें पूरी तरह जाम थीं और ट्रैफिक मैनेज करने के लिए कोई पुलिस वाला नहीं था। एक अभिभावक ने बताया कि वे लोग घर से समय पर निकले थे, लेकिन जाम में फंस गए। उन लोगों ने सेंटर पर अधिकारियों से काफी फरियाद की, क्योंकि अभ्यार्थियों का भविष्य दांव पर लगा था, लेकिन उन लोगों ने कोई जवाब नहीं दिया और अभ्यार्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर जाने नहीं दिया।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के नियम का सख्ती से पालन

एग्जाम अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के नियम का पालन किया, जिसके तहत दोपहर 1:30 दोपहर बजे गेट बंद होने के बाद एंट्री पर सख्ती से रोक है। इस बीच, फेयर और स्मूद टेस्ट पक्का करने के लिए कड़ी सिक्योरिटी के बीच पूरे देश में नीट-यूजी एग्जाम शुरू हो गया। एनटीए के मुताबिक, 95,000 से ज्यादा परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी की निगरानी की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के सख्त इंतजाम किये गये। परीक्षा केंद्रों पर कुल 1,38,560 सीसीटीवी कैमरे और 51,311 जैमर लगाए गए थे। दिल्ली में दोबारा परीक्षा दे रहे एक कैंडिडेट किशन ने कहा कि इस बार सिक्योरिटी का इंतजाम पहले के टेस्ट के मुकाबले ज्यादा टाइट था।

गिड़गिड़ाते रहे परिजन

भोपाल के सरोजिनी सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय और पीएमश्री सेंट्रल स्कूल समेत कई केंद्रों पर कुछ छात्र महज 30 से 40 सेकंड की देरी से पहुंचे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। तीन छात्र गेट के बाहर खड़े होकर अधिकारियों से लगातार मिन्नतें करते रहे, पर नियम आड़े आ गए। परिजनों का आरोप था कि बाहर मार्गदर्शन की कमी के कारण रोल नंबर और रूम ढूंढने में समय लग गया। उन्होंने मानसिक तनाव को देखते हुए 2-4 मिनट की छूट देने की मांग की, लेकिन मौके पर मौजूद एडिशनल एसपी ने साफ कहा- इन्हें अंदर भेजना मेरे हाथ में नहीं है। भोपाल और छतरपुर में कुछ छात्र गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। छतरपुर का एक छात्र 22 किलोमीटर दूर नौगांव के केंद्र की जगह शहर के ही स्कूल पहुंच गया था। जब तक वह बाइक से सही केंद्र पहुंचा, गेट बंद हो चुके थे।

छात्रों को न हो दिक्कत इसलिए पीएम ने एयरपोर्ट पर ही बिताए 45 मिनट

नीट-यूजी परीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी छात्रों की सुविधा का ध्यान रखा। हुआ यह कि कोलकाता से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम खत्म करके पीएम मोदी रविवार को 1.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से उन्हें सीधे अपने आवास जाना था। हालांकि यह ऐसा समय था जब नीट परीक्षा देने वाले छात्रों को परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने का समय था। सूत्रों की मानें तो पीएम मोदी ने इस दौरान अपने तय प्रोटोकॉल के चलते लगने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए उस समय एयरपोर्ट से बाहर न निकलने का फैसला लिया। पीएम का मानना था कि परीक्षा के समय ट्रैफिक जाम के चलते छात्रों को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में दिक्कत आ सकती है।

गोवा खनन मामले में गोवा से सिंगापुर तक ईडी का शिकंजा

अवैध खनन मामले में 1023 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा में लौह अयस्क के अवैध खनन मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने सालगांवकर ग्रुप और उससे जुड़ी कंपनियों की 1023.85 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी तौर पर अटैच कर दी है। इनमें सिंगापुर की 471 करोड़ की प्रॉपर्टी भी शामिल हैं। रविवार को ईडी ने बताया कि 19 जून को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अटैचमेंट का प्रोविजनल ऑर्डर जारी किया गया।

ईडी के मुताबिक यह कार्रवाई सलगांवकर ग्रुप और उससे जुड़े एवीएस ग्रुप पर बड़े पैमाने पर अवैध लौह अयस्क खनन और उससे अर्जित कथित अवैध संपत्तियों के मामले में की गई है। जब्त की गई संपत्तियों में भारत के साथ-साथ सिंगापुर में स्थित अचल संपत्तियां भी शामिल हैं।

भारत में 99 , सिंगापुर में 31 अचल संपत्तियां

ईडी के अनुसार जब्त की गई संपत्तियों में भारत में मौजूद 99 अचल संपत्तियां (459.10 करोड़ रुपए), सिंगापुर में 31 अचल संपत्तियां (471.32 करोड़ रुपए) और भारतीय कंपनियों में इक्विटी शेयर (93.42 करोड़ रुपये) शामिल हैं। ये संपत्तियां स्वर्गीय अनिल सलगांवकर की एस्टेट (उनकी एडमिनिस्ट्रेटर लक्ष्मी अनिल सलगांवकर के माध्यम से), सलगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज, शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स, एस. कांतिलाल एंड कंपनी, सालिथो ओर्स, वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स और सुवर्णरेखा पोर्ट के नाम पर थीं। इन संपत्तियों की कुल कीमत 1,023.85 करोड़ रुपए बताई गई है।

सीआईडी की एफआईआर पर जांच शुरू

मनी लॉन्ड्रिंग की जांच गोवा पुलिस की सीआईडी की एफआईआर से शुरू हुई। ईडी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2014 और 2018 के अपने फैसलों में यह माना था कि 22 नवंबर 2007 के बाद (नए माइनिंग लीज जारी होने तक) गोवा में किया गया सभी सभी माइनिंग गैर-कानूनी थी। एजेंसी का आरोप है कि उसकी जांच में पाया गया कि एवीएस ग्रुप ने 2007-12 के दौरान दस माइनिंग लीज का संचालन किया और लौह अयस्क की गैर-कानूनी निकासी, बिक्री और निर्यात से 2,492.95 करोड़ रुपये की अवैध कमाई (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) की।

कम कीमत पर निर्यात किया गया

गैर-कानूनी तरीके से निकाले गए लौह अयस्क को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में बनी शेल कंपनियों (स्पेशल पर्पस व्हीकल्स) को बेहद कम कीमत पर निर्यात किया गया था। ये कंपनियां महज कागजी तौर पर काम करती थीं। फिर इसे चीन को दोबारा बेच देती थीं जिससे 2,744.89 करोड़ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा कमाया जाता था। एजेंसी के अनुसार अपराध से प्राप्त कुल धनराशि 5,237.84 करोड़ रुपए आंकी गई है। ईडी ने आरोप लगाया कि इन फंड्स को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स और सिंगापुर स्थित एसपीवी के माध्यम से कई स्तरों पर वितरित किया गया, जिनका उपयोग विदेशों में चल और अचल संपत्तियों को खरीदने में किया गया। और कुछ हिस्सा शेयर कैपिटल के तौर पर भारत में वापस भेज दिया गया। इनमें से 99 संपत्तियां भारत में हैं और 31 संपत्तियां सिंगापुर की हैं, जिन्हें जब्त किया गया है।

विश्व को भारत का अमूल्य उपहार है योग- राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

जबलपुर । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश योगमय नजर आया। जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में लगभग 5 हजार योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोलकाता से प्रसारित राष्ट्रीय संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि योग भारत की महान सांस्कृतिक धरोहर और विश्व को दिया गया अमूल्य उपहार है। योग शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का मार्ग है तथा मानवता को शांति, समरसता और कल्याण की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि संतुलित, सरल और आनंदमयी जीवन की पद्धति है। नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि योग वैश्विक शांति और मानव कल्याण का आधार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग आज विश्वव्यापी जनआंदोलन बन चुका है। इस वर्ष 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' थीम के साथ दुनिया के हजारों स्थानों और 210 से अधिक भारतीय दूतावासों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में संचालित 'हर घर योग अभियान' ने योग को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

उद्धव गुट के ओमराजे निंबालकर ने भी की बगावत - एकनाथ शिंदे के साथ जाने का ऐलान

मुंबई । महाराष्ट्र की राजनीति में चल रहे चर्चित 'ऑपरेशन टाइगर' के बीच शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद ओमराजे निंबालकर ने एकनाथ शिंदे के साथ जाने का ऐलान कर दिया है। उनके इस फैसले को उद्धव ठाकरे के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। ओमराजे निंबालकर के इस कदम से शिवसेना (उद्धव गुट) में टूट की अटकलों को और बल मिला है।

जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने की चर्चाएं चल रही थीं। ओमराजे निंबालकर के फैसले के बाद यह अभियान फिर से सक्रिय होता दिखाई दे रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत के संकेत

-केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- थोड़ा इंतजार करना होगा
-सस्ता कच्चा तेल रिफाइनरियों तक पहुंचने के बाद कम हो सकते हैं दाम

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत की उम्मीद कर रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। दरअसल केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है, कि यदि हाल में कम कीमत पर खरीदा गया कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंच जाता है, तो आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी संभव है।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेल विपणन कंपनियां फिलहाल ऊंची कीमतों पर खरीदे गए कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर रही हैं। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में आई कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने में कुछ समय लग

सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कम कीमत पर खरीदा गया कच्चा तेल रिफाइनरियों तक पहुंचेगा और उसका उपयोग शुरू होगा, तब ईंधन की खुदरा कीमतों में राहत देखने को मिल सकती है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों की तुलना में देश में ईंधन कीमतों को काफी हद तक नियंत्रित रखा गया है। हाल के सप्ताहों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी गई थी। इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई, जिसका असर महंगाई, परिवहन लागत और घरेलू बजट पर पड़ा।

हालांकि, अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी अनिश्चितताओं ने भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय तनाव और बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतों में दोबारा तेजी आती है, तो उपभोक्ताओं को सस्ते पेट्रोल और डीजल के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है।

कुछ ना कहना

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नीतीश कुमार

पटना। नीतीश कुमार एक बार फिर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए है। रविवार को पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में इस पर मुहर लगी है। वहीं, उमेश कुशवाहा को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। यह निर्णय राज्य परिषद की बैठक में लिया गया है। बैठक में शामिल होने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद पार्टी ऑफिस पहुंचे थे। यहां नीतीश कुमार पर फूलों की बारिश की गई। कार्यकर्ताओं ने पूर्व सीएम के स्वागत में ढोल-नगाड़े बजाए। साथ ही नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने कहा कि बैठक में नीतिश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय परिषद की बैठक में मुहर लगी है। इसके अलावा निशांत कुमार ने इस बैठक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। आगे भविष्य में जदयू बेहतर करने जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि जिम्मेदारी हम लोगों की बढ़ गई है। इस जिम्मेदारी के साथ अब आगे कार्यकर्ताओं के साथ काम करेंगे। हम लोग पूरे बिहार में पार्टी को मजबूत करेंगे। बैठक में पिताजी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर औपचारिक घोषणा की गई। इससे पहले पटना के जदयू ऑफिस में पार्टी की राज्य परिषद की बैठक हुई। बैठक के दौरान उमेश कुशवाहा के प्रदेश अध्यक्ष के पद को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा जदयू में निशांत कुमार के भविष्य को लेकर भी चर्चा हुई।

बड़ी बेसब्री से मानसुन का इंतजार कर रहे जिलेवासी, किसानो के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें

रविवार को हुई महज आधा घण्टा हल्की बारिश,बढ़ रही तपिश, स्वास्थ पर पड़ रहा विपरीत असर

जल्द नहीं हुई बारिश तो धान की बोअनी पर पड़ेगा असर, 25 जून तक आ सकता है मानसून

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नौतपा समाप्त होने के बाद अमूमन जून माह में होने वाली बारिश, इस वर्ष नदारत सी हो गई है।हालांकि जून माह में कभी कभार तेज आंधी तूफान के साथ बारिश तो हो रही है।लेकिन उम्मीद के मुताबिक बारिश ना होने से जिलेवासी मायूस है।वही अच्छी बारिश ना होने के चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है।वही नौतपा समाप्त होने के बाद भी लगातार बढते तापमान के बीच कभी कभार होने वाली इस बारिश ने उमस व तपिश और बढ़ा दी है जिससे बेचैन जिलेवासी मानसून के आने का इंतेजार कर रहे है।उधर नगर में नौतपा से ज्यादा तप रहे मौसम के बीच रविवार को दोपहर हुई बारिश ने जिलेवासियों को भीषण गर्मी से हल्की राहत तो दी है।लेकिन महज आधे घण्टे तक हुई इस हल्की बारिश ने उमस व तपिश और बढ़ा दी है।रविवार दोपहर तक बढ़े हुए तापमान के बीच करीब 2.30 से 3 बजे एकाएक मौसम बदला और तेज हवाओ के साथ आधे घंटे तक बारिश हुई।

मानसून ना आने से बेबस हुए किसान

किसानों और लोगों को मानसुन का इंतजार है, ताकि गर्मी से राहत मिले और किसान अपनी बोअनी प्रारंभ कर सके। दरअसल, बालाघाट धान उत्पादक जिला है, जहां धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती हैं। जिससे किसान चितिंत है कि यदि समय पर मानसुन नहीं आया तो उसकी फसल कैसी लगेगी। जानकार बताते है कि जिले में किसान के खेत तैयार है, उसने बीज और खाद लेकर रख लिया है, अब उसे केवल मानसुन का इंतजार है,यदि 25 जून तक भी बालाघाट में मानसुन नहीं आता है तो फिर बोअनी पर इसका असर पड़ सकता है।

तय समय से काफी पीछे चल रहा मानसून

प्रदेश में मानसुन तय समय से पीछे चल रहा है, मौसम विभाग की मानें तो 19 जून तक मानसून प्रदेश में प्रवेश कर जाना था, वही झमाझम बारिश होना था लेकिन तय समय से पीछे चलने के कारण अब आगामी 25 जून तक मानसुन प्रदेश में पहुंचने की बात मौसम विभाग द्वारा कही जा रही है।दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि पूर्व में मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 21 जून तक हल्की बारिश की संभावना जताई गई थी। जिसमें हल्की बारिश हुई है।

गर्मी से जिलेवासी भी परेशान

जिले में मानसुन नहीं आने से पड़ रही गर्मी से ना केवल लोग परेशान है बल्कि किसान, भी चितिंत है। दरअसल, बालाघाट में अमुमन, मानसुन 10 से 20 जून तक आ जाता है लेकिन, अब तक मानसुन के नहीं आने से धान उत्पादक बालाघाट जिले में किसानों को बोआई की चिंता होने लगी है। हालांकि सिचिंत खेती वाले किसानों ने खार बो दी है लेकिन बोआई के लिए उन्हें अभी भी किसानों को मानसुन का इंतजार है। वही जिलेवासी भी मानसून आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

स्वास्थ पर भी पड़ रहा विपरीत असर

मौसम बदलने से स्वास्थ्य पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है, बारिश और फिर गर्मी से लोगों को बैचेनी हो रही है, वहीं डॉ. बताते है कि इससे वायरस की बीमारी भी फैलने का खतरा बढ़ गया है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन दूरभाष पर बताया कि मौसम बदलने का असर, लोगो के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। खासकर हीटस्ट्रोक, पीलिया, टायफाईड, डायरिया और डिहाईड्रेशन जैसी समस्या लोगो में देखी जा रही है। जिससे लोगों को बचने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि यदि किसी का स्वास्थ्य खराब लग रहा है तो वह तत्काल डॉ. की सलाह ले।

हैदराबाद कमाने गया युवक दो साल से लापता

मां बाप की आंखें बेटे के इंतजार में पथराई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रोजगार की तलाश में हैदराबाद गया एक युवक पिछले दो वर्षों से रहस्यमय ढंग से लापता है। परिवार ने हर संभव कोशिश की रिश्तेदारों और दोस्तों से पूछताछ की लेकिन युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। आखिरकार परेशान परिजनों ने बिरसा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला कायम कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। मामला बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरीमेटा का है। यहां रहने वाले 26 वर्षीय प्रदीप पिता कृष्णा यादव जुलाई 2024 में मजदूरी करने हैदराबाद जाने की बात कहकर घर से निकला था। परिवार को उम्मीद थी कि बेटा कुछ दिनों में कमाकर लौट आएगा।लेकिन वक्त बीतता गया और प्रदीप घर नहीं आया।परिजनों के मुताबिक शुरुआती महीनों में प्रदीप का फोन पर संपर्क होता रहता था। वह परिवार को अपनी कुशलता की जानकारी देता था।लेकिन पिछले दो-तीन महीनों से उसका मोबाइल बंद आ रहा है। अचानक संपर्क टूटने के बाद परिवार की चिंता और बढ़ गई। पिता कृष्णा यादव ने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों से जानकारी जुटाने की कोशिश की,लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। बेटे के इंतजार में परिवार की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। माता-पिता हर दिन इस आस में दरवाजे की ओर देखते हैं कि शायद उनका बेटा वापस लौट आए। लापता युवक प्रदीप यादव का रंग गेहूंआ, लंबाई लगभग 5 फीट 6 इंच बताई गई है। घर से निकलते समय वह शर्ट पहने हुए था और अपने साथ कुछ कपड़े भी लेकर गया था। बिरसा पुलिस ने पिता कृष्णा यादव 47 वर्ष देवरीमेटा निवासी की रिपोर्ट पर गुम इंसान क्रमांक 21/2026 दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी को प्रदीप यादव के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत बिरसा थाना पुलिस को सूचित करें, ताकि युवक को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया जा सके। यह घटना दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिए जाने वाले युवाओं की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े करती है। पुलिस ने बाहर काम करने जाने वाले लोगों से परिवार के संपर्क में नियमित बने रहने और अपने ठिकाने की जानकारी साझा करने की अपील की है।

वारासिवनी-कोस्ते मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

अज्ञात वाहन के सामने आने से नाले में गिरी बाइक ,दो युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी-कोस्ते मार्ग पर स्थित कोस्ते नाले के पास रविवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक अज्ञात वाहन के अचानक सामने आ जाने के कारण एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सीधे नाले में जा घुसी। इस भीषण दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक

गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद राहगीरों की तत्परता से दोनों को अस्पताल पहुँचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवकों की पहचान देवेंद्र पिता हंसराज लिल्हारे २५ वर्ष एवं गुरुदयाल पिता राधेश्याम बाहेश्वर २६ वर्ष के रूप में हुई है। दोनों युवक खैरलाँजी क्षेत्र के ग्राम खुरसीपार के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि रविवार को दोनों युवक अपने किसी बेहद जरूरी काम से लालबर्रा जाने के लिए घर से निकले थे। वे मेंढ़की मार्ग से होते हुए वारासिवनी की तरफ आ रहे थे। दोपहर करीब ४ बजे जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल कोस्ते नाले के समीप पहुँची तभी सामने से कोस्ते की तरफ जा रहा एक अज्ञात वाहन उनके सामने आ गया। वाहन की रफ्तार को देखकर मोटरसाइकिल चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और बाइक सीधे नाले में जा गिरी। टक्कर और गिरने के कारण दोनों युवकों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं और वे लहूलुहान हो गए। दुर्घटना को देख मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल संजीवनी १०८ एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही संजीवनी १०८ के पायलट योगेश रहाँगडाले और ईएमटी योगेंद्र तुरकर तुरंत मौके पर पहुँचे। उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत एम्बुलेंस में शिफ्ट किया और प्राथमिक जीवन रक्षक उपचार देते हुए सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर आए। सिविल अस्पताल वारासिवनी में दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि दोनों युवकों की अंदरूनी और गंभीर चोटों को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया।

बेलगाम कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार

घायल मोटरसाइकिल सवार हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थानांतर्गत आंवलाझरी से बोदा रोड पर बेलगाम कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। कार की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति मेखराम पिता नंदराम लिल्हारे 40 वर्ष ग्राम बोदा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेखराम लिल्हारे मजदूरी करता है। 20 जून की सुबह 8ः00 बजे मेखराम काम करने के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम टेकाड़ी गया था। दिनभर टेकाड़ी में काम करने के बाद शाम को मेखराम मोटरसाइकिल में अपने घर लौट रहा था। तभी आंवलाझरी से बोदा आते समय रामाटोला के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार मेखराम घायल हो गया। इस दुर्घटना के बाद मौके पर भी लग गई वहीं के लोगों ने मेखराम को उठाकर प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल मेखराम का बयान लिए। इसके बाद उसे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है जिला अस्पताल पुलिस ने इस मामले को अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

योगा फॉर हेल्दी ऐजिंग (स्वस्थ उम्र के लिए योग) थीम पर मुलना स्टेडियम में मनाया 12वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस

चाहे जिम जाए या सूर्य नमस्कार करें परन्तु निरंतर व्यायाम अवश्य करें - सांसद श्रीमती पारधी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वस्थ उम्र के लिए योग की थीम पर रविवार 21 जून को नगर के मुलना स्टेडियम में 12वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में सामूहिक योग में जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ,सीआरपीफ 123 वीं बटालियन कमाडेंट तेजीन्दर कौर, पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर मायाराम कोल, बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सिंह ठाकुर, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी और नगर के गणमान्य नागरिकों नें सामूहिक रूप से योग किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने की विधा में योग सबसे उत्तम है। योग का सीधा सम्बंध जोड़ने से है, जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग से पूरे भारत को जोड़ा है। आज सिर्फ भारत में नही विश्व के अनेक देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है। योग शारीरिक ही नही बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से बांधता है जोड़ता है। उन्होने कहा की हम सभी कों स्वस्थ रहने के लिए निरंतर व्यायाम करना चाहिए। हम सभी कों प्रतिदिन 01 घंटा स्वयं के स्वास्थ्य के लिए निकालना चाहिए जिसमे हम सभी सूर्य नमस्कार या जिम की सहायता ले सकते है। कार्यक्रम में कलेक्टर मृणाल मीना नें कहा कि आज पूरा विश्व योगा फॉर हेल्दी एजिंग की थीम के साथ सामूहिक रूप से 12वां योग दिवस मना रहा है। उन्होने कार्यक्रम में शामिल सभी नागरिकों से कहा की वे सभी योग कों प्रतिदिन की दिनचर्या में लाये ताकि हम सभी हमेशा स्वस्थ रहे। उन्होने कहा की हम सभी कों योगासन स्वयं तों करें बल्कि अपने पूरे परिवार के साथ इसे करें। योगासन कों प्रतिदिन करने के लिए हमें अपने पड़ोसियों कों भी कहें ताकि हम एक अच्छे समाज कों जीवंत कर सकें। उन्होंने कहा की योगासन एक ऐसी विधा है जिसे प्रतिदिन करने से हम सभी का मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार से सर्वांगीण विकास होता है। योग की शुरुआत ओंम कार शब्द की ध्वनि के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता में दिए गए संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म न 1 पर भी किया गया योगा

उधर अतिरिक्त पुलिस महा निर्देशक रेल भोपाल के निर्देश पर, पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुंदर सिंह कनेश,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी और उप पुलिस अधीक्षक अंकिता सुलया के मार्गदर्शन में जीआरपी चौकी बालाघाट में रविवार 21 जून को रेलवे स्टेशन बालाघाट के प्लेटफार्म नंबर 1 पर अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें चौकी प्रभारी बालाघाट समस्त स्टॉप , रेल सुरक्षा बल निरीक्षक सहित स्टेशन प्रबंधक चौधरी साहब, रेलवे कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा समिति सदस्य सहित कुल 41 लोगों ने योग कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।जिसे आने जाने वाले यात्रियों ने भी खड़े होकर इस कार्यक्रम को अपने मोबाइल में लिया।और कार्यक्रम की सराहना की।

कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित, किसानों को सिखाए जहरमुक्त खेती के गुर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) बड़गांव, किरनापुर में 20 जून को प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक खेती की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराते हुए कम लागत में जहरमुक्त और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सारसवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जनपद पंचायत किरनापुर के अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे, भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह मोहरे, सांसद प्रतिनिधि चुम्नेस लिल्हारे, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष महेश शरणागत तथा विधायक प्रतिनिधि राम कुमार राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे तथा कृषि महाविद्यालय बालाघाट के डॉ. रमेश अमूले ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्यवर्धक एवं रसायनमुक्त अन्न उत्पादन की आवश्यकता बढ़ रही है और प्राकृतिक खेती इसके लिए एक प्रभावी विकल्प है। विशेषज्ञों ने किसानों को बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, ब्रह्मास्त्र, दशपर्णी, नीमास्त्र एवं अग्निअस्त्र जैसे प्राकृतिक खाद एवं कीटनाशकों के निर्माण और उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी। उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक कृषि ज्ञान को वैज्ञानिक तकनीकों के साथ जोड़कर खेती की लागत को काफी हद तक कम किया जा सकता है तथा उत्पादन की गुणवत्ता में भी सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान परियोजना आत्मा समिति के विकासखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ. जगदीश कोटारिया, अजय बिजेवार, स्वाति शुक्ला एवं आत्मा स्टाफ द्वारा विशेष प्राकृतिक खेती स्टॉल भी लगाया गया। स्टॉल में कृषि सखियों द्वारा तैयार उन्नत देसी बीज, जीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी तथा प्राकृतिक दवाइयों का प्रदर्शन किया गया, जिसने किसानों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कार्यशाला में किसानों के उत्साह को देखते हुए वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि बालाघाट जिले में प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विस्तार अधिकारी दीपक कुमार तुरकर, श्री पी.के. भालेराव, श्री सागर चंद्रवंशी एवं अन्य कृषि विस्तार अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित किसानों का आभार व्यक्त करते हुए प्राकृतिक खेती को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है
उत्कर्ष कम्पयुटर लालबर्रा में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-उत्कर्ष कम्प्युटर
पंवार मंगल भवन के पास, सिवनी रोड लालबर्रा
7691909255, 9424663575

आवश्यकता है
आराध्या कम्पयुटर में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

वादा 24 घण्टे पानी का, 10-15 दिनों ने वार्ड में सप्लाई नहीं किया जा रहा पानी?

करोड़ों की नल जल योजना नही बुझा पा रही प्यास, बूंद बूंद पानी को तरस रहे वार्डवासी, नगर के वार्ड नंबर 5,रेलवे पटरी परिसर का मामला, वार्डवासियों ने नपा का घेराव कर आंदोलन की दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा घर-घर नल-घर घर जल का वादा कर नगरी क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर बालाघाट नगर पालिका, क्षेत्र के कुछ हिस्से में एक वक्त का पानी भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है और नगरी क्षेत्र के कुछ लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं कहने को तो नगरपालिका में दो-दो नल योजना संचालित है लेकिन करोड़ों रुपए की दोनों नल जल योजना मिलकर भी नगर भर में पानी की पूर्ति नहीं कर पा रही है और लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है ताजा मामला नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 5 रेलवे पटरी परिसर का है जहां के वार्डवासी पिछले 10-15 दिनों से बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं जहा इस समस्या का समाधान करना तो दूर की बात नगर नगरपालिका वार्डवासियों की सुनवाई तक नहीं कर रही है।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए पूर्व पार्षद एंव नगरी निकाय प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रामभाऊ पंचेश्वर ने वार्डवासियों के साथ मिलकर नपा का घेराव कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

तो 38 करोड़ की आवर्धन योजना किस काम की?

आपको बताए कि नगर वासियों को 24 घंटे शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर में 38 करोड़ रु की लागत से जल आवर्धन योजना शुरू की गई थी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी के कार्यकाल से शुरू हुई यह योजना निवर्तमान नपा अध्यक्ष अनिल धुवारे के कार्यकाल समाप्त होने के 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी पूर्ण नहीं हो पाई है। वही नगरपालिका की नई सरकार ने भी अपने लगभग 4 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है बावजूद इसके भी इस योजना का नगरवासियों को भरपूर लाभ नही मिल पा रहा है।शासन ने शहरी क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे पानी देने के लिए करोड़ों रुपए तो लगा दिए लेकिन करोड़ों रुपए फूकने के बाद भी योजना सफल नहीं हो पाई है जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जब नगर में 38 करोड़ की जल आवर्धन योजना के तहत 24 घंटे पानी सप्लाई करने की सुविधा है तो फिर सभी नगर वासियों को पानी की सप्लाई क्यों नही की जा रही है?।वही सबसे बड़ा सवाल ये है कि वार्डवासियों को बूंद बूंद पानी के क्यो तरसना पड़ रहा है तो फिर नगर में संचालित 38 करोड़ रु की जल आवर्धन योजना आखिर किस काम की है। यही सभी सवाल नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाते हैं।

पानी के लिए दूसरों पर निर्भर हो चुके वार्डवासी

बताया जा रहा है कि वार्ड में पिछले 10-15 दिनों से पानी की सप्लाई नही की जा रही है।जिसके चलते कई वार्डवासी पटरी के उंस तरफ जाकर वार्ड नं 6 से पानी लाने के लिए मजबूर है।तो वहीं कई लोगों को निस्तार के लिए कुएं और बोरिंग के भरोसे पानी की आपूर्ति करनी पड़ रही है। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए वार्ड वासियों ने उन्हें पाइपलाइन से दोनो समय पानी की सप्लाई किए जाने की मांग की है। जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर नपा का घेराव किए जाने की चेतावनी दी है।।

दोनो समय तो बहुत दूर की बात एक टाइम भी नही मिल रहा पानी

बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर 5 के रहवासियों को नल जल योजना का लाभ नही मिल रहा है।जिन्हें दो वक्त का पानी देना तो दूर की बात नगर पालिका एक वक्त पानी भी नही दे पा रही है।जिससे वार्डवासी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे है। जहां घरों में नल कनेक्शन होने के बावजूद भी लोग बैहर चौकी वार्ड नं 6 में जाकर पीने का पानी लाने को मजबूर हैं।जहा के स्थानीय लोगो को मोटरसाइकिल, हाथ ठेले साइकिल आदि से रोजाना घरों में पानी लाना पड़ रहा है।

टिल्लू पंप से पानी खिंचने के बाद भी समस्या जस की तस

नगर के वार्ड नंबर 5 में इन दिनों पानी की इतनी विकट समस्या बनी हुई है की वार्ड के लोग पानी पानी के लिए तरस रहे हैं तो वहीं वार्ड के दूसरे हिस्से में लोगों को टिल्लू पंप लगाकर पानी की पूर्ति करनी पड़ रही है बावजूद इसके भी उनकी पूर्ति नहीं हो पा रही है वार्ड वासी बताते हैं कि जब विद्युत प्रभाव रुक जाता है तभी थोड़ा थोड़ा पानी मिल पाता है,पीने के पानी की व्यवस्था तो वे इधर उधर से लाकर जैसे तैसे कर लेते है लेकिन अन्य जरूरत के लिए बिना पानी के कभी एक दिन तो कभी 2 दिन का इंतजार करना पड़ता है।

कांग्रेसी वार्ड होने के चलते जानबूझकर जनता को किया जा रहा परेशान

स्थानीय वार्डवासियों व पूर्व पार्षद के अनुसार उनका वार्ड कांग्रेसी है,ज्यादातर लोग भाजपा को वोट नही देते इसलिए उनके वार्ड की जनता को परेशान किया जा रहा है।उन्होंने नल खोलने का काम करने वाले नपा जल प्रदाय शाखा के कर्मचारी पर भी कई गम्भीर आरोप लगाए है।आरोप है कि कर्मचारी नपा के जिम्मेदारो के कहने पर नल की पूरी चूड़ी नही खोलता, यह आदेश उसे ऊपर से मिले है। जिसके चलते वार्ड में नल का जल नही आता पिछले 10-15 दिनों से वार्ड वासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं।आवेदन निवेदन ज्ञापन व बार बार की जा रही शिकायत के बावजूद भी नगर पालिका द्वारा पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है जिसका खामियाजा वार्ड वासियों को भुगतना पड़ रहा है।

रोजाना टैंकर भी नही आता-पूर्णिमा बाहेश्वर

वार्डवासी श्रीमती पूर्णिमा बाहेश्वर ने बताया कि पिछले 10-12 दिनों से यहां नल में जल नहीं आ रहा है कई बार तो नल खोलने वाला भी 2-3 दिनों तक नहीं आता। पहले पीने लायक पानी भी आ जाता था लेकिन अब चार-पांच दिनों से तो एक बूंद भी पानी नहीं आया है।हम पीने के पानी के लिए इधर-उधर से व्यवस्था कर रहे हैं। कभी-कभी टैंकर आता है पर रोजाना टैंकर नहीं आता।

सुबह उठते बराबर पानी के लिए भटकना पड़ता है-बूंदा बाई

वार्डवासी बूंदा बाई लिल्हारे ने बताया कि हमारे छोटे-छोटे बच्चे हैं जो बहुत दूर से जाकर पानी लाते हैं, पानी के लिए काफी दिक्कत हो रही है हम शाम को काम से वापस आकर पानी भरने जाते हैं। नल चालू करने वालों को बोलो तो वह कहता है कि लोगों ने मोटर लगा लिए है, इसलिए पानी नहीं आता।लेकिन वे पानी की समस्या दूर नहीं कर रहे हैं। सुबह उठते बराबर पीने के पानी के लिए हमें इधर-उधर भटकना पड़ता है,पिछले15- 20 दिनों से कुछ ज्यादा ही दिक्कत हो रही है।

बैहर चौकी रेलवे क्रासिंग के उस तरफ से लाते है पानी -बर्वे

वार्डवासी ओमलता बर्वे ने बताया कि वार्ड में सबसे अधिक समस्या पानी की है ,हमें बाहर चौकी रेलवे क्रॉसिंग के उस तरफ जाकर पानी लाना पड़ रहा है 8 दिनों से एक बूंद भी पानी नहीं आया है। ना सुबह के समय और ना ही शाम के समय पानी दिया जा रहा है।शिकायत करने पर भी सुनवाई नहीं होती।

रोजाना दूसरे वार्ड जाकर पानी का करते है परिवहन-करण

तेल के डिब्बो में पानी भरकर स्कूटी से पानी का परिवहन कर रहे वार्डवासी करणलाल कनौजिया ने बताया कि वे रोजाना 8-10 दिनों से रेलवे पटरी के उस तरफ जाकर वार्ड नंबर 6 से पानी ला रहे हैं पीने का पानी तक सप्लाई नहीं किया जा रहा है यहां पर नल शुरू करने वाला कर्मचारी ठीक से काम नहीं कर रहा है, शिकायत करने पर एक कान से सुनता है दूसरे कान से उड़ा देता है आज पहली बार नहीं है।हमें रोजाना दूसरे वार्ड से पानी का परिवहन करना पड़ रहा है।हमारी मांग है कि कम से कम 2 घंटा फोर्स से पानी दिया जाए।

एक तो पानी नहीं आता, कभी आता है तो गंदा व बदबूदार आता है-मालती

वार्डवासी ममता दादरे ने बताया कि वार्ड में पानी की काफी समस्या है, ना पानी सुबह आता है ना शाम को आता है, कभी कबार आता भी है तो काफी गंदा आता है उस पानी से बदबू आती है।यहां पिछले 10-12 दिनों से पानी नहीं आ रहा है। जबकि यहां वार्डवासी हर साल टैक्स जमा करते हैं लेकिन टैक्स के अनुरूप सुविधा नहीं मिल रही है।

वार्डवासियों के साथ करेंगे नपा का घेराव, होगा आंदोलन-रामभाऊ पंचेश्वर

पूर्व पार्षद एंव नगरी निकाय प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रामभाऊ पंचेश्वर ने बताया कि वार्ड में पानी नहीं आ रहा है पिछले 10-12 दिनों से बूंद बूंद पानी को वार्डवासी तरह से रहे हैं यहां कर्मचारी जो नल खोलने का काम करता है वह जनता और जनप्रतिनिधियों से बदतमीजी से बात करता है,नल की पूरी चूड़ी नहीं खोलता है। टैंकर मंगाओ तो भी बहाने बाजी की जाती है कभी कभार पानी आता है तो वह भी मटमैला आता है अगर पानी पीकर वार्ड वासी बीमार हुए तो इसका जिम्मेदार सीएमओ जलप्रपात शाखा और उनके कर्मचारी होंगे।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 24 घंटे के भीतर व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया गया तो समस्त वार्ड वासियों के साथ मिलकर नपा का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मेंटनेश कार्य शुरू है 3-4 दिनों में भरपूर पानी मिलने लगेगा- शिव

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नपा जलप्रदाय शाखा प्रभारी भास्कर शिव ने बताया कि नगर के जिन क्षेत्रों में नल से पानी नहीं आ रहा है वहां टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। वार्ड नंबर 5 में तीन-चार दिनों से पानी की दिक्कत आ रही है जिसका सुधार कार्य शुरू है ,दो नए वाल्व लगाए गए हैं, मेंटेनेंस कार्य जोरों पर है। संभवत तीन-चार दिनों में कार्य पूरा हो जाएगा।जिसके बाद वार्डवासियों को भरपूर पानी मिलने लगेगा।

आम आदमी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक संपन्न!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार को स्थानीय बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में आम आदमी पार्टी (आप) जिला कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारियों की एक आवश्यक

बैठक आहूत की गई।इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन विस्तार और आगामी राजनेतिक कार्यक्रमों को लेकर रणनीति तैयार की गई।बैठक में बालाघाट जिले के सभी नवनियुक्त प्रदेश एवं जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर की गई चर्चा के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए इसमे विधानसभा बैठकों की तैयारी करने, छिंदवाड़ा जोन प्रभारी संतोष पप्पू छिलवाल के आगामी बालाघाट आगमन को लेकर जिले की सभी विधानसभाओं में विशेष बैठकों के आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई।वही मंडल स्तर के विस्तार पर जोर देते हुए जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक मंडल (जिला पंचायत) में बैठकों के आयोजन का खाका खींचा गया।इसके अलावा जिला कार्यालय पर चर्चा के दौरान संगठन के सुचारू संचालन हेतु जिला बालाघाट कार्यालय की व्यवस्थाओं और गतिविधियों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।बैठक के दौरान सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।बैठक में मुख्य रूप से स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू, प्रदेश उपाध्यक्ष (बुद्धिजीवी विंग) शरद जैन, जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, जिला ग्रामीण अध्यक्ष मस्तराम डाहारे, जिला सचिव अनिल ब्रम्हे, जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंग कारे, जिला उपाध्यक्ष रोशनी संदीप तुरकर, जिला सचिव दीनदयाल कोलते, जिला उपाध्यक्ष योगराज ठाकरे, जिलाध्यक्ष (ओबीसी विंग) दुर्गाप्रसाद कटरे, जिला उपाध्यक्ष विनोद पारधी, वरिष्ठ पदाधिकारी सखाराम सराठे, जिला संयुक्त सचिव प्रदीप नागेश्वर और आरटीआई विंग से मजहर अली सहित अन्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार कटंगी में ऐतिहासिक निर्णय बना एकता, त्याग और समाजहित की मिसाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी स्थित प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार में रविवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में बालाघाट जिला बौद्ध समाज के भविष्य और संगठनात्मक मजबूती को लेकर ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। सैकड़ों समाजबंधुओं, वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब समाज एकजुट होकर निर्णय लेता है, तब नई संभावनाओं और उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुलते हैं। बैठक का मुख्य विषय बालाघाट जिला बौद्ध संघ के एकीकरण को लेकर था। लंबे समय से समाज में संगठनात्मक एकता की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, और इसी उद्देश्य को सामने रखते हुए सभी उपस्थित लोगों ने आपसी सहमति, सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में महत्वपूर्ण निर्णय लिए।इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष सचिन मेश्राम तथा अध्यक्ष एडवोकेट संजय खोबरागड़े ने समाज और संगठन के व्यापक हित को सर्वोपरि मानते हुए अपने पदों से इस्तीफा देकर एकता का मार्ग प्रशस्त किया। उनके इस त्यागपूर्ण निर्णय का उपस्थित समाजजनों ने सम्मान किया और इसे संगठन की मजबूती के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया बैठक में सर्वसम्मति से जे. एस. चौरे को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी

गई।यह निर्णय उपस्थित सभी समाजबंधुओं की सहमति से लिया गया, जिससे संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई गई। बैठक में समाज के अनेक वरिष्ठ एवं सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें भाऊदास चौहान, रामचंद्र मेश्राम, एस. आर. उके, भोजराज वासनिक, जगत मेश्राम, प्रकाश उके, हंसराज मेश्राम, सुरेश गनवीर, प्रदीप मेश्राम, प्रदीप मंडाले, एम. डी. मेश्राम, चुन्नीलाल डोगरे सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु शामिल थे। इनके अलावा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों पुरुष, युवा कार्यकर्ता और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समाज की एकता ही असली ताकत है

बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज की ताकत उसकी एकता में निहित है। भगवान गौतम बुद्ध ने मैत्री, करुणा और भाईचारे का जो संदेश दिया था, उसी मार्ग पर चलते हुए समाज को संगठित रहना चाहिए। वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर के शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को आत्मसात करते हुए समाज के विकास और अधिकारों की रक्षा के लिए एक मंच पर आने की आवश्यकता पर बल दिया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने एक स्वर में समाज की एकता, संगठन की मजबूती और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।बताया गया कि यह निर्णय आने वाले समय में बालाघाट जिले के बौद्ध समाज के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में याद किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद की कामकाजी बैठक सम्पन्न

स्थापना दिवस और पथ संचलन कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बनी रणनीति, 28 जून को होगा भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला स्तरीय कामकाजी बैठक रविवार 21 जून को आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं नगर इकाई के पदाधिकारियों ने संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं। बैठक में संगठन के विस्तार, जनसंपर्क अभियान और आगामी आयोजनों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।वही आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है वही कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई।बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संगठन

पदाधिकारियों ने कहा कि पथ संचलन के माध्यम से समाज में एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया जाएगा। वहीं मंचीय कार्यक्रम में संगठन की विचारधारा, सेवा कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने तथा आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी मंथन किया गया। अंत में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया

कार्यक्रमों के होंगे भव्य आयोजन- मनोज पारधी

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष मनोज पारधी ने बताया कि संगठन का स्थापना दिवस आगामी 24 जून को मनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर इकाई द्वारा जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच फल वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और स्थापना दिवस को सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस के बाद 28 जून को नगर में भव्य पथ संचलन एवं मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के साथ-साथ अन्य स्थानों से भी संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1600 किलो महुआ लाहन एवं 35 लीटर कच्ची शराब जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम सालेभर्री एवं भांडामुर्री में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब एवं महुआ लाहन जब्त किया। आबकारी वृत्त वारासिवनी, बालाघाट एवं कटंगी की संयुक्त टीम ने जंगल क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर प्लास्टिक के ड्रमों एवं डिब्बों में भरा हुआ लगभग 1600 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 35 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची मदिरा बरामद की। कार्रवाई के दौरान आवश्यक नमूने लेकर शेष महुआ लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत दो प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए हैं। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 1 लाख 65 हजार 250 रुपये बताया गया है। कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी एवं उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास, रमाकांत बघेल, मनोज अंजलेकर, मुख्य आरक्षक द्वारसिंह उइके सहित अन्य आबकारी आरक्षक उपस्थित रहे। जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिना सफाई के हो रहा माइनर नहर का मरम्मत कार्य, गुणवत्ता पर उठे सवाल

टूट-फूट से खेतों तक नहीं पहुंचता पानी, पहले सफाई, फिर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य की उठी मांग

हजारों हेक्टेयर भूमि को सींचने वाली टेकाड़ी ला. से बोरी-बकोड़ा माइनर नहर का मामला

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

सिंचाई विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों की जीवनदायिनी मानी जाने वाली नहरों के रखरखाव में भारी लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर स्थित टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली बोरी-बकोड़ा माइनर नहर में इन दिनों सिंचाई विभाग द्वारा मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि मरम्मत कार्य से पहले नहर की कोई साफ-सफाई नहीं की गई है। बिना झाड़ियां साफ किये और मिट्टी हटाये सीधे तौर पर किये जा रहे, इस निर्माण कार्य के चलते इसकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि नियमत: विभाग को सबसे पहले नहर के अंदर और किनारों पर उगी झाड़ियों व खरपतवार की साफ-सफाई करवानी थी, उसके बाद ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाना चाहिए था। घनी झाड़ियों और मलबे के कारण नहर में कहां-कहां टूट-फूट हुई है, इसका पता लगाना बिल्कुल असंभव है। यदि पहले सफाई की जाती, तो नहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देती और तकनीकी रूप से यह सटीक आंकलन हो पाता कि किन स्थानों पर मरम्मत की सबसे 'यादा आवश्यकता है। हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि इस बोरी-बकोड़ा माइनर नहर से सिंचित होती है। हर साल नहर में जगह-जगह टूट-फूट होने के कारण पानी टेल (अंतिम छोर) के खेतों तक नहीं पहुंच पाता। इस बार उम्मीद थी कि अ'छा काम होगा, लेकिन बिना सफाई के हो रही मरम्मत कार्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शासन की राशियों का दुरूपयोग किया जा रहा है। क्षेत्रीय किसानों ने जल संसाधन विभाग एवं निर्माण कंपनी से टेकाड़ी ला. से बोरी-बकोड़ा माइनर नहर की झाड़ियों की पहले सफाई करवाकर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आसानी से पानी किसानों के खेतों तक पहुंच सके।

सिंचाई विभाग निभा रहा औपचारिकता

आपकों बता दे कि टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली बोरी-बकोड़ा माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व की लाखों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के एक साल बाद ही सीमेन्टीकरण नहर जगह-जगह से टूट-फूट यानि क्षतिग्रस्त होने लगी है और दरारे आ चुकी है। साथ ही नहर की पार एवं अंदर उग चुकी झाड़ियों की भी लंबे समय से साफ-सफाई नही करवाई गई है। जिसके कारण टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पाता है, जिससे पानी के अभाव में फसल प्रभावित होती है। वहीं लंबे समय से किसानों के द्वारा इस माइनर नहर का मरम्मत कार्य एवं झाडियों की साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे थे और किसानों की समस्या को लेकर पूर्व में बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग हरकत में आया और क्षतिग्रस्त स्थानों की मरम्मत कार्य करवा रहा है। जबकि पहले झाड़ियों की साफ-सफाई करवाना चाहिए था उसके बाद टूट-फूट वाले स्थान पर मरम्मत कार्य करवाना चाहिए किन्तु ऐसा नही किया जा रहा है सिर्फ मरम्मत के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं किसानों ने आरोप लगाया है कि सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार मिलकर सिर्फ कागजी खानापूर्ति और औपचारिकता निभाने में जुटे हैं। बिना झाड़ियां साफ किये कांक्रीट या मिट्टी का काम करने से यह मरम्मत ज्यादा दिनों तक नहीं टिकेगी और पहली ही बारिश या पानी की तेज धार में बह जायेगी। ऐसे में किसानों को आगामी सीजन में भी सिंचाई के संकट से जूझना पड़ सकता है।

झाड़ियों की सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने की मांग

क्षेत्र के जागरूक किसानों और ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों सहित जिला प्रशासन से टेकाड़ी ला. से बोरी-बकोड़ा माइनर सीमेन्टीकरण नहर की बिना झाड़ियों की सफाई किये बिना मरम्मत कार्य किये जाने के इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। किसानों की स्पष्ट मांग है कि वर्तमान में चल रहे इस बिना सफाई वाले कार्य को तत्काल रोका जाये, पहले पूरी माइनर नहर की झाड़ियों व मलबे को साफ कर उसकी वास्तविक स्थिति उजागर करने, उसके बाद ही तकनीकी मापदंडों के अनुसार पूरी गुणवत्ता के साथ मरम्मत कार्य को अंजाम दिये जाने की मांग की है, ताकि अंतिम छोर पर बैठे किसान के खेत तक भी पानी सुचारू रूप से पहुंच सके। अब देखना यह है कि अन्नदाताओं की इस जायज मांग पर विभाग के आला अधिकारी क्या कदम उठाते हैं, या फिर हमेशा की तरह इस बार भी सरकारी राशि का दुरूपयोग होता है। वहीं जल संसाधन विभाग के एई उदयसिंह परस्ते से दूरभाष पर टेकाड़ी ला. से बोरी-बकोड़ा माइनर नहर का बिना सफाई किये मरम्मत कार्य करवाये जाने एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

मरम्मत कार्य में बरती जा रही अनियमितता - प्रेमसुन्दर

दूरभाष पर चर्चा में बोरी सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुन्दर बारमाटे ने बताया कि टेकाड़ी ला. जलाशय से निकली बोरी-बकोड़ा माइनर नहर का दो वर्ष पूर्व सीमेंटीकरण निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण जगह-जगह से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं झाड़ियां उग आई है जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। श्री बारमाटे ने बताया कि जल संसाधन विभाग के द्वारा सीमेन्टीकरण नहर का झाड़ियों की बिना सफाई करवाये मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है जो सिर्फ खानापूर्ति है। जबकि पहले झाड़ियों की सफाई करवाना चाहिए उसके बाद गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये नही तो समस्या कुछ दिनों में जस की तस हो जायेगी। प्रशासन से मांग है कि स्थल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य में बरती जा रही अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें और नहर की सफाई कर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये।

लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने वाले जननायक है राहुल गांधी - अनुभा

खमरिया में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ बालाघाट विधानसभा में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के रूप में मनाया गया। लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत जननायक राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न सेवा कार्य आयोजित कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबध्दता व्यक्त की है। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मरीजों को फल वितरण, भगवान श्री हनुमान जी की महाआरती, महाप्रसादी वितरण किया गया है। इसी तीन दिवसीय सेवा कार्यक्रम के तहत तृतीय एवं अंतिम दिन 21 जून को जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना, जरूरतमंद हितग्राहियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण अंचलों में व्याप्त बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस अवसर पर क्षेत्र से पहुंचे ग्रामीणजनों का चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि इस स्वास्थ्य शिविर में लालबर्रा विकासखंड की लगभग 10 से 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में वृध्दजन, महिलाएं, युवा एवं ब'चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच करवाई है एवं चिकित्सकों ने उनकी जांच कर स्वास्थ्य संबंधित उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं, क्योंकि इससे लोगों को उनके गांव के समीप ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हो जाती हैं। साथ ही यह भी कहा कि लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने वाले जननायक है राहुल गांधी। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक न्याय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। श्री राहुल गांधी जी सदैव आमजन, किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं महिलाओं के हितों की आवाज बुलंद करते रहे हैं। उनके जन्मदिवस को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले, विधायक प्रतिनिधि, सरपंच प्रतिनिधि पाथरी सुमेंद्रसिंह पटले, मंडल अध्यक्ष ईश्वरी चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष लालबर्रा मनीराम भोयर, पूर्व जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष भोजराज पटले, सरपंच श्रीमती 'योति टेंभरे, जनपद सदस्य श्रीमती इन्द्रकला राहंगडाले, सरपंच साहेबलाल देशमुख, सरपंच युवराज सोनवाने, उपसरपंच योगराज पटले, भागचंद देशमुख, गुलाब पटले, गुलाब चौधरी, उपसरपंच दयाराम बजानघाटे, दिनेश चौहान, मनोहर बिसेन, चंदूलाल हरिनखेड़े, राधेलाल बागड़े, लुखेद्र बोपचे, नितेश पारधी, डालीराम बिसेन, देवेंद्र गजभिये, ओरीलाल, भक्तराज बिसेन, अंतराम बिसेन, सचिव ओमप्रकाश पटले, लालबर्रा बीएमओ सुश्री ऋतु धुर्वे, श्रीमती मीरा चौधरी, श्रीमती मनीषा मसकरे, श्रीमती सरिता साकरे, सुश्री कुसुम करवते, बी.एम. चौहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, क्षेत्रवासी, बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांदीपनी स्कूल में मनाया गया 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, कम संख्या में पहुंचे विद्यार्थी

सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन, रेडियो पर सुना गया राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी (उत्कृष्ट) स्कूल लालबर्रा में 21 जून को 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य, सांदीपनी स्कूल के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता एवं श्रीमती अनिता अग्रवाल, सीईओं चंदरसिंह मंडलोई, बीईओ वायआर गजभिये एवं बीआरसी श्रीराम तुरकर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रात: 6 बजे से मुख्य कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के उद्बोधन के साथ हुई। जिसके पश्चात कोलकाता से प्रसारित राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रात: 6.30 बजे सीधा प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थितजनों ने रेडियो के माध्यम से सुना। वहीं प्रात: 7 बजे से सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। विद्यालय की योग क्लब प्रभारी शारदा मेश्राम के मार्गदर्शन में उपस्थितजनों ने सामान्य योग अभ्यास क्रम के अंतर्गत सबसे पहले योग प्रार्थना की। इसके बाद ग्रीवा संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, शशांकसन, भद्रासन, उष्ट्रासन, सेतुबंध आसन, प्राणायाम एवं ध्यान आदि का अभ्यास किया गया।

अवकाश के चलते कम रहीं विद्यार्थियों की उपस्थिति

शासन के निर्देशानुसार स्कूली विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित होना था। परंतु कार्यक्रम का समय प्रात: 6 बजे होने और रविवार का अवकाश होने के कारण बहुत कम संख्या में विद्यार्थी स्कूल पहुंचे। ऐसी स्थिति में कम विद्यार्थियों की उपस्थिति के बीच ही सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जा रहा है। योग केवल एक दिन की क्रिया नहीं है, बल्कि इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए क्योंकि योग हमारे मन, शरीर और आत्मा को संतुलित व स्वस्थ रखता है। चर्चा में सांदीपनी स्कूल के योग क्लब प्रभारी शारदा मेश्राम ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया और इस अवसर पर मनुष्य के शरीर के सिर से लेकर पैर के पंजो तक की समस्त क्रियाओं पर योग किया गया। साथ ही यह भी बताया कि योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है इसलिए सभी को रोजाना योग करना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहें।

अनियंत्रित होकर पलटा धान से भरा ट्रैक्टर, टला बड़ा हादसा

लालबर्रा-बालाघाट मार्ग मानपुर स्थित लॉन के पास पलटा ट्रैक्टर, बाल-बाल बचे राहगीर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से बालाघाट मुख्य मार्ग पर रविवार को सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। मानपुर पेट्रोल पंप के समीप अचानक धान से लदा एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरी धान की दर्जनों बोरियां सड़क पर बिखर गई। जिससे मार्ग पर कुछ समय के लिए वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। गनीमत यह रही कि दुर्घटना के वक्त ट्रैक्टर के आसपास कोई अन्य वाहन या राहगीर मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार प्रात: करीब 11 बजे एक किसान धान से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली लालबर्रा की ओर लेकर आ रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर मानपुर बैरियर के आगे स्थित लॉन के पास पहुंचा वैसे ही ट्रैक्टर में लदा धान की दो बोरी टायर के नीचे गिर गये और उसके ऊपर से चक्का जाते ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया किन्तु चालक बाल-बाल बच गया। जिसके बाद राहगीरों व स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए मोर्चा संभाला और लोगों की मदद से ट्रैक्टर चालक ने जैसे-तैसे ट्रॉली को खाली किया और सड़क पर बिखरी धान की बोरियों को किनारे लगवाया। इसके बाद ट्रैक्टर और ट्रॉली को कड़ी मशक्कत के बाद रास्ते से हटाया गया, जिसके बाद आवागमन के लिए सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया। वहीं बताया जा रहा है कि एक किसान अपनी धान की उपज को लेकर ट्रैक्टर में भरकर लालबर्रा की ओर लेकर जा रहा था तभी अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। किन्तु उस दौरान उस स्थान से कोई नही गुजर रहे थे। यदि ट्रैक्टर पलटने के दौरान उसके बगल से कोई दुपहिया वाहन या राहगीर गुजर रहा होता, तो निश्चित ही कोई बड़ा और दर्दनाक हादसा घटित हो सकता था। भगवान का शुक्र है कि ट्रैक्टर चालक को मामूली चोट आई है और कोई गंभीर हताहत नहीं हुआ है।

वारासिवनी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रशासनिक उदासीनता

इस बार नहीं हुआ कोई शासकीय आयोजन नगर वासियों में आक्रोश व्याप्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। २१ जून को पूरे विश्व सहित देश प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बेहद उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न स्थानों पर भी बड़े स्तर पर योग कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। लेकिन वारासिवनी नगर और समीपस्थ क्षेत्र में इस वर्ष नजारा बिल्कुल बदला हुआ था। हर साल प्रशासन के सहयोग से आयोजित होने वाला भव्य शासकीय योग कार्यक्रम इस बार धरातल से पूरी तरह गायब रहा। शासकीय स्तर पर किसी भी रूप में कार्यक्रम आयोजित ना होने के कारण स्थानीय जनता जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों में प्रशासन के खिलाफ गहरा असंतोष और आक्रोश देखा जा रहा है।

अतीत में होती थी भव्यता इस बार पसरा सन्नाटा

प्राप्त जानकारी के अनुसार हर वर्ष वारासिवनी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक उत्सव की तरह मनाया जाता था। प्रशासन के नेतृत्व में आयोजित होने वाले मुख्य शासकीय कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थी और प्रशासनिक अधिकारी स्वयं शामिल होकर सामूहिक योगाभ्यास करते थे। नगर वासियों और प्रशासन की सहभागिता से यह आयोजन बेहद सफल रहता था। परंतु इस वर्ष शासकीय स्तर पर छोटे या बड़े किसी भी रूप में कोई सामूहिक आयोजन देखने को नहीं मिला जिससे योग प्रेमियों को भारी निराशा हाथ लगी।

रात १० बजे मिले निर्देश ऐन वक्त पर औपचारिकता भी फेल

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों को २० जून की रात लगभग १० बजे अचानक वरिष्ठ कार्यालयों से योग दिवस को व्यवस्थित रूप से मनाने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इतने संवेदनशील और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम को लेकर रात में मिले निर्देशों के बाद प्रशासनिक अमले में अफरा.तफरी का माहौल तो बना लेकिन धरातल पर उसकी तैयारी शून्य के बराबर रही। ऐन वक्त पर तालमेल की कमी और लचर व्यवस्था के कारण ब्लॉक स्तर पर प्रशासन कोई भी गरिमामय आयोजन करने में पूरी तरह विफल रहा। जिले के अन्य हिस्सों और जिला मुख्यालय पर जहां यह शासकीय कार्यक्रम बेहद भव्य और गरिमामयी स्तर पर आयोजित किया गया। वहीं वारासिवनी ब्लॉक स्तर पर इसका आयोजन ना हो पाना स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के इस रवैये पर कड़ा ऐतराज जताया है। उक्त विषय को लेकर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल से चर्चा करने का प्रयास किया गया परंतु दूरभाष पर संपर्क नहीं हो पाया।

विभिन्न संस्थाओं ने निजी स्तर पर बचाई लाज

भले ही शासकीय स्तर पर प्रशासनिक अमला सुस्त नजर आया लेकिन नगर सहित क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं, निजी विद्यालयों और जागरूक नागरिकों ने अपने अपने स्तर पर विभिन्न स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन किया। नागरिकों ने स्वत: स्फूर्त होकर योगाभ्यास किया और योग दिवस की परंपरा को जीवंत रखा। बहरहाल ब्लॉक स्तर पर शासकीय आयोजन नही होने का यह मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है और नगरवासी इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग कर रहे हैं।

प्रशासन ने जो शिथिलता बरती है वह खेद जनक है- भेजेंद्र चौधरी

योग शिक्षक भेजेंन्द्र चौधरी ने बताया कि पतंजलि योग समिति ३६५ दिन १४ योग कक्षाओं को नि:शुल्क संचालित करती है। आज बहुत बड़ा पर्व है विश्व योग दिवस हमारे द्वारा टिहली बाई माध्यमिक शाला में रखा गया था। जिले में कलेक्टर के द्वारा १५ दिनों से इसकी तैयारी की जा रही थी पर वारासिवनी में शिथिलता देखी गई। रात ९ बजे के बाद अधिकारी कर्मचारी ने संपर्क किया कुछ जनप्रतिनिधि को निमंत्रण देने के लिए शासकीय सेवक २१ जून योग दिवस की सुबह उनके घर गए हालांकि इतनी जल्दी में कोई आए नहीं। भारत से योग विश्व में गया है वारासिवनी संस्कारधानी यहां का नेतृत्व जिले का नेतृत्व है ,प्रशासन ने जो शिथिलता बरती है वह खेद जनक है भविष्य में गलती को वह ना दौराये विस्तृत बैठक कर कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए।

शासन प्रशासन कि इस वर्ष उदासीनता रही की प्रोग्राम नहीं हो पाया-सुनील जायसवाल

सुनील जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने विश्व योग दिवस चालू किया इसका आयोजन वारासिवनी में भी भव्य स्तर पर होता था। शासन प्रशासन कि इस वर्ष उदासीनता रही की प्रोग्राम नहीं हो पाया। वारासिवनी में कई जगह योग कक्षाएं चलती है ,पहले योग दिवस में होता था तो जनप्रतिनिधि नगरवासी विद्यार्थी अधिकारी कर्मचारी सहित समस्त लोग एक जगह शासकीय कार्यक्रम में भाग लेते थे उत्साह का वातावरण बनता था। परंतु इस बार निराशा देखने मिल रही है प्रशासन की उदासीनता रही कि योग दिवस नहीं हुआ लोगों को योग दिवस की जानकारी तक नहीं थी।

१४ वर्षीय बालक को कुचलकर मौत का मामला , तीन आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय किया पेश मुख्य आरोपी अब भी फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत गायत्री मंदिर के पास लालबर्रा रोड़ पर रेत के अवैध परिवहन और लापरवाही के चलते एक १४ वर्षीय मासूम हिमांशु बुरे की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की है। घटना के दूसरे दिन पुलिस ने मामले के चार नामजद आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। वहीं घटना का मुख्य सूत्रधार आरोपी पुलिस को चकमा देकर अब भी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

यह था पूरा मामला

पुलिस के अनुसार घटना शनिवार २० जून २०२६ की रात करीब १.३० से २०.३० बजे के बीच की है। वारासिवनी निवासी शशांक दुबे और सोमू शुक्ला नामक व्यक्ति बिना नंबर के ट्रैक्टरों से अवैध रेत चोरी का काम करवाते थे। घटना वाली रात आरोपी चालक करण कुमले और शिवा मेश्राम रेत भरने गए थे। इसी दौरान वारा ग्राम पंचायत के वार्ड नं.०५ निवासी १४ वर्षीय बालक हिमांशु बुरे को आरोपियों ने अपने ट्रैक्टर की मुंडे यानि ड्राइवर सीट के पास बैठा लिया था। लापरवाही पूर्वक ट्रैक्टर चलाने के कारण बालक का पैर फिसल गया और वह सीधे भारी भरकम पहिये की चपेट में आ गया जिससे सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने साक्ष्य छुपाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतक के शव को बीच सड़क पर फेंक दिया और इसे एक अज्ञात वाहन दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की।

पुलिस की कार्यवाही और न्यायालय में किया पेश

घटना की भनक लगते ही वारासिवनी थाना पुलिस उप निरीक्षक आशीष वरकडे व टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सोमू पिता सतीश शुक्ला निवासी वार्ड नं.४ वारासिवनी, करण पिता संतोष कुमले निवासी वार्ड नं.१ ग्राम वारा,शिवा पिता कचरू मेश्राम निवासी वार्ड नं.४ ग्राम वारा को अपराध घटित होने के दूसरे दिन पुलिस ने वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद इन तीनों गिरफ्तार आरोपियों को कडी सुरक्षा में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

मुख्य आरोपी शशांक दुबे अब भी फरार

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी सूची का पहला और मुख्य आरोपी शशांक दुबे निवासी वारासिवनी घटना के बाद से ही फरार चल रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग अलग टीमें गठित की गई हैं और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मुख्य आरोपी को भी कानून के शिकंजे में ले लिया जाएगा।

इन गंभीर धाराओं में दर्ज है मुकदमा

पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा १०५, ३०३,२ ९५, ३१७,५ खान एवं खनिज विकास का विनियमन अधिनियम १९५७ की धारा ४ व २१ तथा मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम १९९६ की धारा ५३,१ के तहत न्यायालय पेश किया गया है। एक मासूम बच्चे की इस तरह अवैध कारोबार की वेदी पर जान चले जाने से वारासिवनी क्षेत्र के नागरिकों में भारी आक्रोश है। परिजनों ने अवैध रेत परिवहन पर पूरी तरह अंकुश लगाने और इस मामले के सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को सोशल मीडिया पर गाली गलौच और जान से मारने की मिली धमकी

मुंजारे समर्थकों ने खैरलांजी थाने में की शिकायत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी क्षेत्र में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के समर्थक आवेदक रामेश्वर कुतराहे निवासी पिण्डकेपार सहित अन्य के द्वारा थाना खैरलांजी में एक लिखित थाना प्रभारी को शिकायत कर दी गई है। आवेदन में बताया कि अज्ञात व्यक्ति राजकुमार ठाकरे के द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के खिलाफअशोभनीय और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। आरोप है कि आरोपी ने ना केवल गाली.गलौच की बल्कि घर में घुसकर जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना से पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के समर्थकों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करने और उसे तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। इस तरह की हरकत से क्षेत्र का माहौल खराब हो सकता है आरोपी की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी हो और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग की फिलहाल थाना खैरलांजी पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस अवसर पर रामेश्वर कुतराहे ,अजब करपगये ,लक्ष्मण दमाहे ,जगदीश सुलाखे ,बसंत नगपुरे, रिसिक लिल्हारे ,लाखन सिंह लिल्हारे ,वीरेंद्र अटराहे ,बलिराम मस्करे ,सीताराम अटराहे सहित अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

गिरफ्तारी नहीं होने पर थाने के सामने करेंगे धरना प्रदर्शन-रामेश्वर कुतराहे

रामेश्वर कुतराहे ने बताया कि कंकर मुंजारे को लेकर हमारे द्वारा एक सोशल मीडिया पर पोस्ट डाला गया था। जिसमें राजकुमार ठाकरे नामक व्यक्ति के द्वारा अभद्र टिप्पणी कर जान से मारने की धमकी दी गई है । इसी विषय को लेकर हम खैरलांजी थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए आए हैं यदि १२ घंटे के अंदर उक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं होती है तो थाने के सामने सर्व समाज धरना देगा। मेरे द्वारा सामाजिक रूप से पवार समाज का जो विषय हुआ था उसमें किसी समाज को लेकर नहीं बल्कि नेता के विषय पर पोस्ट डाली गई थी। जिसमें यह गाली गलौज की गई है हम चाहते हैं कि त्वरित कार्यवाही हो।

सब्जी मंडी परिसर में अवैध रूप से काटे गए पौधे

पार्षदों ने थाने में की शिकायत कर कठोर कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सब्जी मंडी परिसर में पर्यावरण संरक्षण और सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगाए गए पौधों को अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा काटे जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पर्यावरण को क्षति पहुंचाने की इस कृत्य से नाराज नगर पालिका के पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के शिकायत पत्र के साथ थाने पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है।

निरीक्षण के दौरान सामने आया मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा सब्जी मंडी परिसर को हरा भरा और सुंदर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया था। रविवार को जब इस स्थल का निरीक्षण किया गया तो वहां का नजारा देखकर हर कोई हैरान रह गया। किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों के द्वारा वहां रोपे गए हरे.भरे वृक्षों को बेरहमी से काट दिया गया था। यह कृत्य ना केवल सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने की श्रेणी में आता है बल्कि पर्यावरण नियमों का भी खुला उल्लंघन है। इस घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका के पार्षदों ने कड़ा रुख अपनाया। पार्षद संदीप मिश्रा, मोनु लिमजे और धर्मेश जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को मुख्य नगर पालिका अधिकारी की ओर से तैयार आधिकारिक शिकायत पत्र सौंपा। पार्षदों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस घटना की बारीकी से जांच की जाए और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों या अन्य माध्यमों से दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। अज्ञात तत्वों के द्वारा किया गया यह कृत्य कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। इससे नगर पालिका की संपत्ति के साथ साथ पर्यावरण को भी भारी नुकसान हुआ है। पार्षदों का कहना है कि दोषियों पर ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जो एक मिसाल बने ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक संपत्तियों या पर्यावरण को इस तरह नुकसान पहुंचाने का दुस्साहस ना कर सके। शिकायत के साथ घटना स्थल के फोटोग्राफ भी पुलिस को साक्ष्य के रूप में सौंपे गए हैं।

कुल्हाड़ी से काटे गये ७ पौधे-मोनू लिमजे

पार्षद मोनू लिमजे ने बताया कि हमें सुबह वार्ड नंबर आठ के पार्षद धर्मेश जोशी ने सूचना दिया कि सब्जी बाजार कासल कॉलोनी के पास लगे वृक्षों को किसी अज्ञात तत्वों ने नुकसान पहुंचाया गया है। मौके पर जाकर हमने देखा तो यहां पर नगर पालिका के द्वारा पूर्व में बाजार परिसर में वृक्षारोपण किया गया था। जिसमें से अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा करीब सात वृक्षों को कुल्हाड़ी के माध्यम से काट दिया गया है ,यह वर्षों की ऊंचाई करीब १५ फिट हो गई थी और पिछले वर्ष यह लगाए गए थे जो अब तैयार हो रहे थे । इस प्रकार वृक्षों को काटकर फेंकना बहुत गलत है इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं सिटी मैनेजमेंट के द्वारा शिकायत थाने में दी गई है । पुलिस प्रशासन से हमारी मांग है कि इस मामले में कठोर कार्यवाही करें ताकि दोबारा कोई व्यक्ति ऐसा ना कर सके। क्योंकि उक्त स्थान के ही वृक्ष काटे गए हैं जबकि बाजार के अंदर सभी वृक्ष ठीक है।

नपा से हमने पर्यावरण दिवस पर पिछले वर्ष यहां यह वृक्ष लगाए थे-धर्मेश जोशी

पार्षद धर्मेश जोशी ने बताया कि सुबह कुल्हाड़ी से किसी ने वृक्षों को काटा है। नगर पालिका से हमने पर्यावरण दिवस पर पिछले वर्ष यहां यह वृक्ष लगाए थे। जो १५ फीट से ज्यादा ऊंचे थे और अब पनपने लगे थे आगे यह छायादार होते। मुझे पूरा शक है कि कासल के यहां से यह हुआ है। क्योंकि उन्हें के यहां से वृक्ष काटे हैं सब्जी बाजार में व्यवस्थित है यह उनके विवादित स्थल से बाहर वृक्ष लगे हुए थे। गुलमोहर और कुछ दूसरी प्रजाति के ७ पेड़ इन्होंने काटे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ २१ जून को प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित किया गया। इस दौरान शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय संस्था एवं संगठनों के द्वारा विभिन्न परिसरों में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें निर्धारित कार्यक्रम अनुसार रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम पर योगाभ्यास किया गया। वहीं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गई।

पतंजलि योग समिति का योगाभ्यास आयोजित

टिहलीबाई शासकीय स्कूल परिसर में महर्षि पतंजलि योग समिति और भारत स्वाभिमान के तत्वावधान में भव्य सामूहिक योग शिविर का आयोजन किया गया। सुबह ५ बजे शुरू हुए इस शिविर में साधकों ने पीएम नरेंद्र मोदी का लाइव उद्बोधन सुना। कार्यक्रम में बच्चों और योग शिक्षकों ने कठिन आसनों का शानदार प्रदर्शन किया। वरिष्ठ योग शिक्षक गोविंद टेंभरे ने योग के माध्यम से समाज को निरोगी बनाने का संकल्प दोहराया गया। इस दौरान समिति द्वारा वरिष्ठ सदस्यों में श्रीमती माया पारधी ,पदम सुराना ,श्रीमती आशा खंडेलवाल ,शिवशंकर पराते ,श्रीमती मनोरमा दुबे का सम्मान किया गया। इस अवसर पर गोविंद टेंभरे ,मनीष खंडेलवाल ,आशीष राठौर ,विनय रुसिया, राजकुमार टेंभरे ,नंदकिशोर एड़े ,पंचम हनवत ,अर्जुन आंबेकर ,प्रदीप खंडेलवाल ,श्यामू खंडेलवाल ,कन्हैया खैरवार ,गुरुनंद पवार, प्रिन्सी आचरे, सुरेश चिमनानी ,थानसिंह राणा, शेरसिंह चौधरी ,नामदेव चन्ने ,प्रणाली चौधरी ,श्रीमती माया पारधी ,श्रीमती मनोरमा दुबे, नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय ,बीआरसी सत्येंद्र शरणागत सहित नगर की १२ योग कक्षाओं के सैकड़ों साधक और अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्यालय वारासिवनी में उत्साहपूर्वक मनाया गया योग दिवस

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यार्थी और अभिभावक शामिल हुए। आयोजन की शुरुआत संधि योग से हुई जिसके बाद सभी ने प्राणायाम और सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन किए। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी को योग का महत्व समझाया। कार्यक्रम में रीता ठाकरे ,लता पटले ,सरिता मिश्रा ,अंजूषा कटरे ,मोनिका पटले ,मोहित सोनवाने, सीमा राणा ,कीर्ति अटराहे, प्रीति बांगरे ,प्रीति अटराहे ,आरती लिल्हारे सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

कमला नेहरु स्कूल में हुआ योग

कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षक शिक्षिकायें एवं विद्यार्थियों के द्वारा शाला परिसर में रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम के अनुसार योगाभ्यास किया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में योग के महत्व पर प्रकाश डालकर बताया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा टिहलीबाई माध्यमिक शाला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए स्थानीय टिहली बाई स्कूल में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में सहभागिता की गई। जहाँ भारत माता की पूजा उपरांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश प्रसारण सूना गया तथा कपाल भारती, अनुलोम, विलोम, सिरसासन सहित अनेक प्राणायाम, योगाभ्यास किया गया। जिसका निर्देशन योग प्रशिक्षक भेजेन्द्र चौधरी, मिनेन्द्र डहरवाल सहित अनेक योग प्रशिक्षकों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य निरंजन बिसेन, जनपद पंचायत पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन, कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा ,देवसिंह ठाकुर सहित समस्त व्याख्याता, शिक्षक कर्मचारी, स्वंय सेवक, सेविकायें एवं अन्य छात्र छात्राऐं उपस्थित होकर निर्देशानुसार प्राणायाम योगाभ्यास कर रहे थे।

होर्मुज खुलने से सस्ता होगा तेल, महंगाई घटेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा सहारा

ईरान और अमेरिका के बीच 110 दिनों तक चले तनाव और संघर्ष के बाद हुए शांति समझौते ने पूरी दुनिया को राहत की सांस लेने का अवसर दिया है। इस समझौते का सबसे सकारात्मक प्रभाव भारत पर पड़ने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कुछ महीनों में भारत में महंगाई की दर 0.5 से 0.8 प्रतिशत तक घट सकती है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भी राहत मिलने की संभावना है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौटने से भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार का तनाव सीधे भारतीय बाजार और आम लोगों की जेब पर असर डालता है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थीं। अब ईरान द्वारा होर्मुज को बिना शर्त खोलने की घोषणा के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य होने लगी है, जिससे ऊर्जा कीमतों पर दबाव कम होगा। युद्ध के दौरान भारतीय बास्केट के कच्चे तेल का भाव 69 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब यह घटकर लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, लेकिन फिर भी युद्ध पूर्व स्तर से करीब 14 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शांति प्रक्रिया स्थायी रहती है तो अगले कुछ महीनों में तेल की कीमतों में और कमी आ सकती है। इसका सीधा लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को मिलेगा। महंगाई नियंत्रण की दिशा में यह समझौता महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें कम होने से परिवहन लागत घटेगी। परिवहन सस्ता होने का असर खाद्यान्न, सब्जियों, फल, दूध, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर दिखाई देगा। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दबाव कम होगा और आम परिवारों के घरेलू बजट को राहत मिलेगी। रसोई गैस की कीमतों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। युद्ध के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 942 रुपये तक पहुंच गए थे। ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने के बाद इन कीमतों में कमी की संभावना बढ़ गई है। इससे विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को राहत मिलेगी। भारत के लिए इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा सुरक्षा भी है। ईरान पर लगे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध हटने की स्थिति में भारत के लिए वहां से सीधे तेल और गैस खरीदने का मार्ग फिर से खुल सकता है। इससे भारत को तेल आयात के अधिक विकल्प मिलेंगे और वह बेहतर कीमतों पर ऊर्जा खरीद सकेगा। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा। चाबहार बंदरगाह को लेकर भी भारत के लिए यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने इस रणनीतिक परियोजना में लगभग 1400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ईरान पर प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना की संभावनाएं सीमित हो गई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने से चाबहार बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापारिक पहुंच का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे भारत के निर्यात और क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी।

काम,क्रोध,लोभ,मोह और अहंकार पांच विकार बनाम आपदा में अवसर

महाराष्ट्र कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा?

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल भौतिक प्रगति का इतिहास नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं,प्रवृत्तियों और मानसिक अवस्थाओं के निरंतर संघर्ष,संतुलन और परिष्कार का भी इतिहास है।भारतीय दर्शन में काम,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को सामान्यत:पंचविकार कहा गया है। धर्मग्रंथों,संत साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में इनका उल्लेख ऐसे तत्वों के रूप में किया गया है जो मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं।किंतु यदि इनका गहन अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि ये भाव स्वयं में न तो पूर्णत: अच्छे हैं और न ही पूर्णत:बुरे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन पांच विकारों का सदुपयोग करने और उन्हें अवसर में बदलने की अवधारणा को हम इस प्रकार समझ सकते हैं- काम (इच्छा/उत्साह)-इसे वासना के बजाय कुछ बड़ा हासिल करने या उत्कृष्ट लक्ष्य (जैसे रचनात्मक कार्य या समाज सेवा) के प्रति जुनून में बदलें।क्रोध (रोष)-इसे दूसरों या स्वयं के विनाश के बजाय, अन्याय और अपनी कमियों के खिलाफ लड़ने की दृढ़ शक्ति में बदलें।लोभ (लालच)- भौतिक वस्तुओं के लालच को ज्ञान, अच्छे कर्म, और आध्यात्मिक उन्नति के प्रति लालसा में बदलें,मोह (लगाव)- सांसारिक मोह को अपने काम, परिवार और मानवता के प्रति सच्ची प्रेम भावना में बदलें अहंकार (घमंड)- इसे मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ के झूठे अहंकार से निकालकर मैं सब कुछ सीख सकता हूँ के आत्मविश्वास में बदलें।

साथियों वास्तव में ये मानव व्यक्तित्व की स्वाभाविक शक्तियां हैं, जिनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य और किस दिशा में किया जा रहा है। यदि इन्हीं भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं।भारतीय चिंतन सदैव यह कहता रहा है कि मनुष्य का मूल्यांकन केवल उसके भीतर उत्पन्न होने वाले भावों से नहीं,बल्कि उन भावों के उपयोग और परिणामों से किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए काम केवल भौतिक इच्छा नहीं है, बल्कि सृजन की प्रेरणा भी है। क्रोध केवल विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी बन सकता है। लोभ यदि व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तियों तक सीमित न रहकर संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का रूप ले ले तो वह सामाजिक एकता का आधार बन जाता है। इसी प्रकार अहंकार यदि आत्ममुग्धता न बनकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित हो जाए तो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए यह मान लेना कि इन भावों का उदय होते ही व्यक्ति गलत मार्ग पर चल पड़ा है, एक अधूरी और सतही समझ होगी। साथियों बात अगर हम इन पांचो विकारों में से किसी एक की तुलना महाराष्ट्र शासन की एक कमेटी ? निर्णय से करें तो 17 जून 2026 को महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 29 सितंबर 2025 को भी 77 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल एक बार की कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है जिसके माध्यम से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा की जा सके। यह दृष्टिकोण प्रशासनिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक माना जा सकता है।इन मामलों की प्रकृति पर ध्यानदेना भी आवश्यक है।समिति द्वारा जिन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की जाती है,वे मुख्य रूप से गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव, दहीहंडी, श्रमिक आंदोलनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न वैचारिक या जनहित आंदोलनों से जुड़े होते हैं। ऐसे आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं या स्थानीय परिस्थितियों के कारण मामले दर्ज हो जाते हैं। साथियों,यदि इन मामलों में कोई गंभीर आपराधिक मंशा नहीं है और वे केवल सार्वजनिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से संबंधित हैं, तो उनकी पुनर्समीक्षा लोकतांत्रिक न्याय की भावना के अनुरूप मानी जा सकती है।हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें स्पष्ट सीमाएं और अपवाद निर्धारित किए गए हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, गंभीर हिंसा, गंभीर मारपीट जैसे जघन्य अपराध तथा व्यक्तिगत या दीवानी विवादों से जुड़े मामलों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाती। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों की आड़ में गंभीर अपराधों को संरक्षण न मिले। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। साथियों, महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा सकती है। इस समिति का उद्देश्य उन मामलों की पहचान करना है जो मुख्यत: सामाजिक धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों के दौरान दर्ज हुए हैं और जिनमें गंभीर आपराधिक तत्व नहीं हैं। समिति के समक्ष आने वाले प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाती है। इसके बाद जिन मामलों को वापस लेने योग्य माना जाता है, उन्हें पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों के पास भेजा जाता है, जहां आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि केवल उचित मामलों को ही राहत मिले और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे। साथियो, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवत: अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें सकारात्मक दिशा देना अधिक महत्वपूर्ण है। साथियों, वास्तव में समाज कल्याण और लोकहित के लिए कार्य करने वाले लोगों को केवल इसलिए अपराधी की तरह देखना उचित नहीं हो सकता क्योंकि किसी आंदोलन या आयोजन के दौरान उन पर मामला दर्ज हो गया था। यदि उनके कार्यों का उद्देश्य समाज की भलाई, सांस्कृतिक संरक्षण, धार्मिक आयोजन या जनहित रहा हो और उन्होंने कोई गंभीर अपराध न किया हो, तो उन्हें सुधार और पुनर्विचार का अवसर मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण दंडात्मक न्याय के स्थान पर सुधारात्मक न्याय की अवधारणा को मजबूत करता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज पंचविकारों को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की बजाय उनके सकारात्मक रूपों को भी समझे। जब काम सेवा की आकांक्षा बनता है, क्रोध अन्याय के विरुद्ध संघर्ष बनता है, लोभ समाज के लिए संसाधन जुटाने की प्रेरणा बनता है, मोह संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण बनता है तथा अहंकार आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित होता है, तब यही भाव मानवता के विकास के साधन बन जाते हैं। इसी प्रकार लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में भी केवल कानून का कठोर अनुपालन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिस्थितियों, उद्देश्यों और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए न्यायपूर्ण निर्णय लेना भी आवश्यक है।

साथियों, महाराष्ट्र सरकार की समिति द्वारा मामलों की समीक्षा और उपयुक्त मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण है। यह पहल एक ओर कानून के शासन का सम्मान करती है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक आयोजकों और जनहित में कार्य करने वाले नागरिकों को अनावश्यक कानूनी बोझ से राहत देने का प्रयास भी करती है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ती है, तो यह लोकतांत्रिक शासन, सामाजिक न्याय और जनसहभागिता के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावी मॉडल बन सकती है। साथियों, भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आंदोलनों की एक लंबी परंपरा रही है। विभिन्न समुदाय,संगठन और नागरिक समूह समय-समय पर अपनी मांगों,अधिकारों और सामाजिक उद्देश्यों के लिए आंदोलन करते रहे हैं। गणेशोत्सव नवरात्रोत्सव, दहीहंडी जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से लेकर श्रमिक आंदोलनों,सामाजिक सुधार अभियानों और जनहित प्रदर्शनों तक,नागरिक सहभागिता लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। किंतु अनेक बार इन गतिविधियों के दौरान परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि प्रतिभागियों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हो जाते हैं। इनमें से कई मामले ऐसे होते हैं जिनमें हिंसा, गंभीर अपराध या व्यक्तिगत स्वार्थ का तत्व नहीं होता, बल्कि वे प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन, प्रदर्शन या सामूहिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से जुड़े होते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

आरएसएस द्वारा प्रशिक्षित प्रचारक नाथूराम गोडसे ने सिर्फ इस वजह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की छाती को तीन गोलियों से छलनी कर दिया था कि गांधी मानते थे कि देश सभी धर्मों के लोगों का है, जबकि गोडसे और उसके पितृ संगठनों आरएसएस-हिन्दू महासभा का मानना था कि देश केवल हिन्दुओं का है। गांधीजी और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के खिलाफ नफरत फैलाई गई, जिसके नतीजे में बिल्कुल नजदीक से गोलियां चलाकर गांधीजी की हत्या कर दी गई। इस गुनाह के कारण भारत के तत्कालीन उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने 1948 में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया और उसके बाद लिखा कि उनके सभी भाषण नफरत भरे होते थे। इस जहर का अंतिम परिणाम यह हुआ कि देश को गांधीजी के बहुमूल्य जीवन की कुर्बानी देनी प?ी। '' यह प्रतिबंध संघ द्वारा यह वायदा करने के बाद हटाया गया कि उसका एक लिखित संविधान होगा और वह सिर्फ एक सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करेगा।

हकीकत यह है कि आरएसएस सांस्कृतिक संगठन की भेष में एक राजनैतिक संगठन है। उसने पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीव्हीपी) की स्थापना की और बाद में भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका नया अवतार भाजपा वर्तमान में केन्द्र और कई राज्यों की सरकार चला रही है। संघ का दावा है कि उसका खर्चा दशहरे के दिन मिलने वाली गुरू दक्षिणा की रकम से चलता है। आयकर अधिकरण ने पता नहीं क्यों आय के इस स्त्रोत को कर मुक्त घोषित कर दिया। वह अपने कार्यक्रमों और शाखाओं के संचालन पर (जो शासकीय भूमि पर भी किया जाता है) अंधाधुध पैसा खर्च कर रही है। उसके पथ संचलनों में कितनी राशी व्यय होती है, इसे गोपनीय रखा जाता है। कहा जाता है कि आरएसएस के दिल्ली कार्यालय के निर्माण पर 100 करोड़ से अधिक का व्यय हुआ है। ये सारे भारी-भरकम खर्चे सरकारी जांच-पड़ताल की पहुंच से कोसों दूर हैं।

सांस्कृतिक संगठन होने के इस दावे को सरकार और ज्यादातर लोगों द्वारा मान लिया गया और अब तक संघ तेजी से विस्तार करते हुए लाखों शाखाओं की स्थापना कर चुका है और कई लाख स्वयंसेवक उससे जुड़ चुके हैं। नेहरू को संघ की प्रकृति का अहसास बहुत जल्दी हो गया था। लेकिन कुछ साल पहले तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित किसी भी राजनैतिक दल ने इन मुद्दों से जुड़े सवाल नहीं उठाए जिसके चलते यह संगठन कानूनी प्रावधानों और नैतिक मूल्यों को ताक पर रखते हुए मनमानी कर रहा है। कांग्रेस ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी यह गलती सुधारी है और विशेषकर राहुल गांधी आरएसएस के संबंध में तर्कपूर्ण और विधिसम्मत सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि आरएसएस से जुड़े लोग गांधीजी की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे लेकर उन पर मुकदमा चला। आरएसएस से दो-दो हाथ करने की इसी नीति के अंतर्गत अब कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे ने आरएसएस से कहा है कि वह अपना पंजीयन करवाए और भारतीय राज्य के प्रति जवाबदेह बने।

उन्होंने दिनांक 13 जून को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखे एक पत्र में उनसे संगठन की वैधानिक स्थिति, वित्तीय व्यवस्था, पदाधिकारियो व कर संबंधी नियमों के अनुपालन एवं उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगीं। आरएसएस आधिकारिक रूप से यह दावा करता है कि देश एवं देश के बाहर उसकी 60 हजार शाखाएं हैं और करोड़ों स्वयंसेवक हैं। ख?गे ने सार्वजनिक रूप से जारी अपने वक्तव्य में कहा कि यह मात्र एक वैधानिक आवश्यकता नहीं है बल्कि इसका नैतिक पक्ष भी है। उन्होंने लिखा, उसकी गतिविधियां जिस बड़े पैमाने पर संचालित होती हैं, और उसके व्यापक प्रभाव एवं पहुंच के मद्देनजर आरएसएस से उच्चतम स्तर की पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करवाया ही जाना चाहिए।''

इस पत्र को सार्वजनिक तौर पर जारी किया गया है। अपनी प्रतिक्रिया में आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि वे इस पत्र को नजरअंदाज कर रहे हैं और इसका जवाब नहीं देंगें। इस प्रतिक्रिया से ऐसा महसूस होता है कि भागवत मानते हैं कि वे और उनका संगठन कानून और भारतीय संविधान के ऊपर हैं। वैसे भी आरएसएस भारतीय संविधान में आस्था नहीं रखता। भारतीय संविधान के लागू होने के तीन दिन बाद आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने संपादकीय में कहा था कि यह संविधान, जिसका मसौदा डॉ अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया है एवं भारतीय संविधान सभा द्वारा अनुमोदित किया गया है, हमारे देश के लिए उपयुक्त नहीं है क्योंकि इसमें हमारे पवित्र ग्रंथों के यशस्वी मूल्यों को शामिल नहीं किया गया है। आरएसएस के एक पूर्व प्रमुख राजेन्द्र सिंह ने कहा था कि संविधान को खारिज कर दिया जाना चाहिए। एक अन्य प्रमुख के। सुदर्शन ने तो यह तक कहा कि संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है अत: इसे ऐसे संविधान द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए जो पवित्र भारतीय ग्रंथों पर आधारित हो। सन् 2024 में लगाए गए 400 पार के नारे का एक उद्देश्य लोकसभा में संविधान बदलने के लिए जरूरी संख्या हासिल करना भी था।

भागवत द्वारा अपने संगठन को संविधान के ऊपर मानने का कारण यह तथ्य भी हो सकता है कि हालांकि उनके पास भारत सरकार का कोई आधिकारिक पद नहीं है, फिर भी उन्हें प्रधानमंत्री के स्तर की सुरक्षा हासिल है। प्रियंक खड़गे द्वारा कही गई बातों की प्रतिक्रिया में भागवत ने कहा ''हम गोपनीयता नहीं बरतते। हमारा कामकाज खुले मैदानों में चलता है। हम लोगों को आमंत्रित कर उन्हें अपने बारे में बता रहे हैं। ये सारे आक्षेप सिर्फ सियासती है और तरह-तरह के हथकंडे आजमाए जा रहे हैं... हिन्दू धर्म पंजीकृत नहीं है, और बहुत सी अन्य संस्थाएं भी पंजीकृत नहीं हैं''। सवाल यह है कि क्या इन लोगों ने बाबरी मस्जिद को ढ़हाए जाने की योजना पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की थी?

यहाँ यह स्मरणीय है कि अमेरिका के कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने हाल में यह अनुशंसा की थी कि अमरीकी सरकार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लक्षित प्रतिबंध लगाने चाहिए। प्रस्तावित कदमों में संगठन की संपत्तियों को फ्रीज करना और उसके सदस्यों को वीजा न देना शामिल हैं।

भागवत द्वारा संघ का पंजीयन न कराने के पक्ष में एक तर्क यह दिया कि हिन्दू धर्म भी तो पंजीकृत नहीं है! हिन्दू धर्म और आरएसएस को बराबरी का दर्जा देने वाला यह वक्तव्य एक तरह से हिन्दू धर्म का अपमान है। हिन्दू धर्म के कई सम्प्रदाय हैं जैसे नाथ, तंत्र, शैव, सिद्धांत और भक्ति। आरएसएस जिस हिन्दुत्व का प्रचार करता है वह ब्राम्हणवाद है जो जातिगत एवं लैंगिक ऊंच-नीच पर आधारित है। कम से कम यह तो कहा ही जा सकता है कि यह तर्क किसी भी तरह से कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

यह आश्चर्यजनक नहीं है कि आरएसएस के पंजीयन की मांग उठाई जा रही है। आश्चर्य इस बात का है कि यह मांग पहले क्यों नहीं उठी। आरएसएस के विचारों के प्रति सहानुभूति रखने वाले कई सरकारी अधिकारी उसके हितों की रक्षा करने में जुटे हुए हैं। दान एवं खर्चों से संबंधित नियम ही पंजीयन की अनिवार्यता की सबसे बड़ी वजह होने चाहिए। इसी तरह सांस्कृतिक संगठन होने का दावा करते हुए आरएसएस द्वारा राजनैतिक गतिविधियां करने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करते समय किए गए वायदों पर अमल न किए जाने के मसले को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। वक्त आ गया है कि भारतीय संविधान और भारतीय राष्ट्रवाद को महत्व दिया जाए और न सिर्फ आरएसएस वरना ऐसे सभी अन्य ऐसे संगठनों से पंजीयन करवाने को कहा जाए, जिनके लिए ऐसा करना अपेक्षित हो।

-राम पुनियानी

मोहर्रम पर विशेष

कह दो बातिल से हक दिल में उतर आया है।

मकसूद खान बालाघाट

इस्लामी कलेन्डर के हिसाब से पहला महीना मोहरम हराम कहलाता हैं। मोहरम हजरत हुसैन की कुर्बानी की याद दिलाता है। यह वह महीना हैं जिसमें अल्लाह के नबी हजरत मोहम्मद सल्लीलाहो वसल्लमके नवासेहजरत अली के लाइले और खातुने जन्नत बीबी फातमा की आंख जानिसारों के हमराह करबला की तपती रेत पर भूखे प्यासे शहीद कर दिये गयें। यह वाक्या 10 मोहर्रम 61 ईसवी 680 दिन जुमा जोहर के वक्त पेश आया । हजरतइमामहुसैन ने जब्र व जुल्म के खिलाफ वह कुर्बानी पेश की जिसे आज तक नही भुलाया जा सका। हजतरत इमाम हुसैन रजि. ने हक सदाकत सच्चाई के लिये अपनी आंखों के सामने अहलो अयाल को कुर्बान करना गवारा कर लिया, लेकिन एक फासिक व फाजिर की वैयत न की । इजरत इमाम हुसैन की पैदाईस 5 शाबान 4 हिजरी मुताबिक इसवी 5 जून 6 26 को पैदा हये । जरत इमाम हुसैन ने अपने कोल व अलम की यवसानियत को इब्तिदाई उम्र सेही बनकरार रखा और करबलाके मैदान में कोल व अमल की इस एक्सानियम को ऐसा जीता जागता सबूत दिया जिसे दुनिया का कोई शक्स फरामोश नही कर सकता । हजरत हुसैन ने करबला के मैदान में जिस सब्र बरदास्त बहादुरी हिम्मतद और सदाकत का सबूत दिया उसकी मिसाल मिलना मुश्किल हैं आप पर जुल्मों की इंतिहा कर दी गई, फिर भी आपके कदम %हक - सच्चाई% के रास्ते से न डगमगायें। खुदा को आपकी यही अदा पसंद आई कि आपका जिक्र बाकी रखा और कयामत तक बाकी रहेगा। ये गलत हैं कि मुसलमानों के प्यारे हैं हुसैन, हर दु:खे दिल के जमाने में सहारे हैं हुसैन ! उस नबी जात की कुर्बानी है ऐसी ऐसी %वर्मा% आज हिन्दु भी कहते हैंहमारे हैं हुसैन !! मोहर्रम दरसल हक सदाकत धर्म और अर्धम के. दरम्यान निर्णायक संघर्ष में धर्म की विजय दिलाता हैं यह हकीकत हैं, कि सत्य की हमेशा जीत होती है भारत में विभिन्न धर्मावलम्बी के लोग निवास करते है, सनातन धर्म, ईसाई मत, इस्मालम धर्म, बौद्ध, जैन, सिख धर्म आदि धर्मो हक और बालित धर्म अधर्म की दो ताकतो को तस्लीम किया हैं। लेकिन सभी धर्म का एक ही मत हैं की हक सच्चाई की हमेशा जीत होती हैं। बातिल झूठ हर क्षेत्र में परास्त होता है। अभी इंसान को बेदार तो हो जाने दो हर कौम पुकारेगी हमारे हे हुसैन !! हजरत इमाम हुसैन रजि. ने कर्बला के मैदान में वातिल के खिलाफ जंग जरूर की लेकिन इस लडाई में मसीयते खुदाबंदी और मोहम्मद सल्लालाहों अलै वसल्लम की उम्मत की बख्शिश का वादा शामिल था। इसलिये ववत पर आपने तलपुर रोक कर नमाज व हालत मेंअपना सर कटवा कर जामें शहादत नोश फरमाया, वैसे तो संसार में जिन-जिन क्षेत्रों में मुसलमान रह हैं उन सभी देशों में मोहर्रम अपने अपने ढंग से मनाते हैं किन्तु हिन्दुस्तान में सभी मजहब धर्म के लोग इस शहीदे पर्व को श्रद्धा के साथ मनाते हैं। हिन्दुस्तान में यह पर्व साम्प्रदायिक सद्भाव का बेमिसाल पर्व है। हजरत इमाम हुसैन ने जिस अंदाज से करबला के मैदान में अपनी कुर्बानी दी 13 सौ साल गुजर जाने के बावजूद आपकी यह कुर्बानी आलमें इस्लाम के लोग ही नही बल्कि हर महजब व मिल्लत के लोग उसी अंदाज में याद करते है। गोया कल का वाक्या हो जहरत इमाम हुसैन ने सच्चाई और इंसानियत की सरबुलंदीके लिये कुर्बानी दीउससे भारत के साथ-साथ दीगर मुंमालिक के सच्चे और धार्मिक इंसानों की दिल जीत लिया। 3 दिन की भूख पयास सहते हुये। आप अपने बाल बच्चों खानदान और जानिसारा के साथ शहीद हो गयें लेकिन किसी से कोई शिकायत नही की। जबकी हजरत इमाम हुसैन रजि. एक ही दुआ ही यजीद के खतमें का सबब बन सकती थी। हजरत हुसैन ने जालिम हुकुमत के सामने सिर नही झुकाया, आलमें इंसान के लोग बखुबी जानते थे कि यजीद गुमराह इंसान है। उसने झुठें खत लिखकर आपके पास पहुंचायें, जिसमें लिखा गया की हम सब आपके नाना हजरत मोहम्मद सलिल्लाहों वसल्लम पर इमान रखते है। आपको उनका जानेसार समझते है। आपके दस्तेन मुबारक पर बैयत करने तेयार है। हजरत इमाम हुसैन नेयजीद की शातिराना बातों पर यकीन कर लिया क्या कि आप जानते थे कि मुस्लमान झूठ नही बोलता। हजरत हुसैन ने कुफे की जानिब कूच करने के पहे अहले खानदान और जानेसारों को खुतवा दिया, और कहा जो शवस मेरे हमराह जाना चाहता तो वो आ जाये। आपके खानदान का काफीला दरियाए फराद नदी के करीब पहुँचा तो आपको खबर गी की दरिया पर यजीदी फौजों का पहरा लगा हैं। हजरत हुसैन के किसी भी शकस को पानी पीने या लेजाने के लिये शक्त मनाई है। यहा। तक कि आपके काफिले को घेर लिया गया। फिर भी आप नही घबराये और खुतवा फरमाया, यजिद अपनी औकात पर आ गया है। व भूल गया हैं कि सच्चा मूलसमान सिर्फ अल्लाह से डरता हैं और किसी से नही डरता है। जो लोग वापिस जाना चाहे चले जाये। गोया मुक्तसर यह हैं कि आपके हमराह अहे खानदान और जानेसारों में से 72 अफराद, बाकी बचे गयें जिनके मुकाबें के लिये हजारों की तादाद में जंग के साजो सामान से लैस यदीदी फौजे थी। सारा आलम जानता हैं कि यजीद जीत कर भी जंग हार गया। क्योंकि अल्लाह ताला ने उसके गले में लानत जिल्लतों रूसवाई तौफ डाल दिया हैं मोहर्रम शरिफ की 10 तारीक को योमेंआशूरा भी कहते हैं। आशूरा क मतलब 10 होता है। इस 10 तारीक की बडी फजीत हैं । आखिर बात यह हैं कि इसी मोहर्रम की 10 तारी को कयामत आयेगी। करबला की की बदौलत इंसान ने हक और बाति को पहचाना और उसको पाने के लि हक पर कायम रहना और बातिल की तरफ से मुह मोडना ही हजरत इमाम हुसैन की तालिम हैं। जिस पर अमल करना हैं। अल्लाह तौफीक दे कि हम इस पर कायम रहे। आज भी साहिले दजला नदी से सदा आत कह दो बातिल से हक दिल में उतर आया है।

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बनी नरमी से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन नरम रहा। दलहनों में उड़द में सुर्खी बनी। उधर, किराना जिंसों में सूखे मेवों में सुस्ती रही।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा सुस्त-सुस्त ही रही। शक्कर में लेवाली सामान्य है। शक्कर में बाजार 4210-4270 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। कालीमिर्च में दिसावरी तेजी के चलते बाजार 770-800 रू. प्रति किलो पर मजबूत देखे गये। सौंफ, जीरा व हल्दी में पूछपरख है। दिसावरी बाजारों में तेजी रहने से भावों में सुर्खी रही। जीरे में राजस्थान क्वालिटी मालों में बाजार 240-250 रू. प्रति किलो पर आ गये। सूखे मेवों में सीजनल माँग ठंडी है। ईरानी राजस्तों से जहाजों की आवाजाही सुगम होने के समाचारों से सूखे मेवों में मंदी की स्थिति रही। सूखे मेवों में बादाम मगज में बाजार 750-850 रू. प्रति किलो पर आ गये। काजू में बाजार 920-950 रू. प्रति किलो से टूटकर 880-925 रू. प्रति किलो पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1570-1590 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में 30-35 रू. प्रति 10 किलो तक की गिरावट आयी। सोया तेलों में रिफाइंड मालों में बाजार 1460-1465 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1435-1440 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। कपास्या तेलों में बाजार 20 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1460 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन 100 रू. प्रति क्विंटल से टूटकर 6800 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसो बाजार 200-300 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। चने में पूछपरख रहने से बाजार नरमी के रहे। चने में बाजार 6000-6100 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उड़द में पूछपरख से बाजार 200 रू. प्रति क्विटल तक की तेजी आयी। उड़द बढ़िया मालों में 8700 - 9000 रू. प्रति क्विंटल पर देखे गये। मूंग-मसूर में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। मसूर में बाजार 6000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित रुझान, सरसों नरम, सोयाबीन-पाम मजबूत

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह घरेलू खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। राष्ट्रीय राजधानी में जहां सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन, पाम और बिनौला तेलों के दाम मजबूत हुए। बाजार में आयातित खाद्य तेलों की उपलब्धता और लिवाली के रुझान ने कीमतों को प्रभावित किया।ऊंची कीमतों पर कम पूछताछ और आयातित खाद्य तेलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते राष्ट्रीय राजधानी में सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसानों और स्टॉकिस्टों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद लिवाली सुस्त बनी रही। दूसरी ओर, सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। पिछले 20-22 दिनों में आई कीमतों की कमी के बाद किसानों ने निचले स्तर पर बिकवाली घटा दी। परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र के लातूर जैसे बाजारों में प्लांट मालिकों ने सोयाबीन की खरीद दर 80 रुपये बढ़ाकर करीब 7,440 रुपये प्रति क्विंटल कर दी, जिससे कम आवक और बढ़ती मांग ने कीमतों को सहारा दिया। औद्योगिक मांग बढ़ने से पाम-पामोलीन तेल की कीमतों में भी तेजी दिखी। बाजार में बिनौले की उपलब्धता नगण्य रहने से बिनौला तेल भी मजबूत हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर रहे, क्योंकि यह आयातित सूरजमुखी तेल से 10-12 रुपये प्रति किलो सस्ता होने के कारण लगातार मांग में बना रहा। हालांकि, इनकी औद्योगिक मांग का एक हिस्सा अपेक्षाकृत सस्ते पाम-पामोलीन तेल से भी पूरा किया गया। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,625-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,480-2,780 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 15,425 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 2,550-2,650 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 2,550-2,695 रुपये प्रति टिन, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,450 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,400 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 11,950 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 14,350 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 7,000-7,050 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन लूज- 6,850-6,925 रुपये प्रति क्विंटल।

फेडरल रिजर्व में व्यापक बदलावों की नींव, 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य पर दृढ़ प्रतिबद्धता

मुंबई। एजेंसी। केविन वॉर्श के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के रूप में पहली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक ने न केवल मौद्रिक नीति में सख्ती का संकेत दिया, बल्कि केंद्रीय बैंक के कामकाज में बड़े संरचनात्मक बदलावों की नींव भी रखी। हालांकि फेडरल फंड दरें 3.5-3.75 फीसदी पर अपरिवर्तित रहीं, 130 शब्दों का बेहद संक्षिप्त बयान और भविष्य के अनुमानों का अभाव उम्मीद से कहीं अधिक सख्त साबित हुआ। वित्तीय बाजारों को कुछ सख्ती की उम्मीद थी, लेकिन बयान के बाद शेयर और बॉन्ड दोनों बाजारों में गिरावट आई। एफओएमसी के वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा गया कि मुद्रास्फीति दर फेड के 2 फीसदी के लक्ष्य से अभी भी अधिक है और समिति मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है। इसके साथ जारी डॉट प्लॉट आर्थिक अनुमानों से पता चला कि 18 में से नौ सदस्य इस साल कम से कम 25 आधार अंकों की दर वृद्धि की उम्मीद करते हैं, जो वॉर्श के ज्ञात सख्त विचारों के अनुरूप हैं, हालांकि उन्होंने अपने अनुमान प्रस्तुत नहीं किए। बैठक के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में, वॉर्श ने फेड के संचार, बैलेंस शीट संरचना, डेटा स्रोतों, उत्पादकता और रोजगार, और मुद्रास्फीति ढांचे का अध्ययन करने के लिए पांच कार्य बलों के गठन की घोषणा की। यह कदम वॉर्श के इस विश्वास को दर्शाता है कि नीति निर्माताओं को कम संवाद करना चाहिए ताकि वे अपने ही शब्दों के कैदी न बन सकें, एक दर्शन जो वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई बढ़ती पारदर्शिता के विपरीत है।

भू-राजनीति, मानसून और आर्थिक आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह की गिरावट से उबरने की कोशिश में इस हफ्ते कई महत्वपूर्ण वैश्विक और घरेलू कारकों पर पैनी नजर रखेंगे। निवेशकों के लिए जहां भू-राजनीतिक स्थिरता अहम होगी, वहीं देश के भीतर मानसून की प्रगति और प्रमुख आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते के क्रियान्वयन में होने वाली प्रगति पर बाजार की गहरी निगाहें टिकी रहेंगी। यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए सुचारु रूप से खुलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति और भू-राजनीतिक स्थिरता पर इसका सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा, जो शेयर बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक हो सकता है। वैश्विक परिदृश्य के साथ ही घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कृषि-

आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर मानसून ग्रामीण मांग और कॉर्पोरेट आय को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, देश के आठ महत्वपूर्ण कोर उद्योगों के आंकड़े भी जारी होंगे, जो अर्थव्यवस्था की सेहत का संकेत देंगे और बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। इन सभी कारकों का समग्र प्रभाव आगामी सप्ताह में बाजार की दिशा तय करेगा। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि बाजार की नजर मई महीने के थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) और रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)के मिनट्स पर टिकी हुई है, ताकि भविष्य की ब्याज दरों का अनुमान लगाया जा सके। विदेशी निवेशकों के रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से बाजार में तरलता तय हो रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार की धारणा पर पड़ सकता है।

फोनपे का फैसला, निष्क्रिय वॉलेट रखने पर अब चुकाना होगा चार्ज

नई दिल्ली। एजेंसी। डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म फोनपे ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अगर कोई यूजर अपने फोनपे वॉलेट का लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करता है, तो उसे इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज देना होगा। यह शुल्क 100 रुपये (जीएसटी सहित) प्रति तिमाही उन वॉलेट्स से कटेगा जो लगातार 365 दिनों तक निष्क्रिय रहेंगे। फोनपे की नई नीति के तहत, यदि कोई यूजर लगातार 365 दिनों तक अपने वॉलेट के जरिए कोई भी वित्तीय लेनदेन नहीं करता है, तो

उसके वॉलेट को निष्क्रिय मान लिया जाएगा। इसके बाद हर तिमाही 100 रुपये का इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज वसूला जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि केवलफोनपे ऐप खोलना, यूपीआई लेनदेन करना, या ऐप के भीतर अन्य भुगतान (जैसे रिचार्ज, बिल भुगतान) करना वॉलेट एक्टिविटी नहीं माने जाएंगे। वॉलेट को सक्रिय बनाए रखने के लिए यूजर्स को सीधे अपने फोनपे वॉलेट के माध्यम से ही लेनदेन करना होगा। शुल्क लगाने से पहले यूजर्स को 15 दिन का नोटिस भेजा जाएगा। इस नोटिस अवधि के दौरान वॉलेट से कोई लेनदेन करके इस फीस से बचा जा सकता है, जिसके बाद वॉलेट सक्रिय हो जाएगा। निष्क्रियता शुल्क काटने के लिए, पर्याप्त फंड होने पर 100 रुपये काटे जाएंगे; कम होने पर उपलब्ध राशि काटकर शेष शून्य कर दिया जाएगा, जिससे कोई नकारात्मक बैलेंस नहीं बनेगा। यह बदलाव बड़ी संख्या में फोनपे वॉलेट यूजर्स को प्रभावित करेगा।

केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्थयी प्रतिबंध

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी। सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा की समीक्षा की। दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में त्वचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई कॉम्बिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रैक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अमॉक्सिसिलिन और सेराटियोपेप्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक कॉम्बिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था। पेट दर्द और ऐंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अतार्किक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के जिम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रमाण है।

मेष- आज आपको अपने खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखने की जरूरत है। इस समय बेवजह खर्च भविष्य की योजनाओं पर असर डाल सकता है। आज पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ना सही रहेगा और रिश्तों में खुलकर बातचीत करना आपके संबंधों को और मजबूत बनाएगा। जिम्मेदारियों को आप पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे। कार्यक्षेत्र में छोटी-सी लापरवाही भी गड़बड़ी करा सकती है, इसलिए हर काम ध्यान से करें। संतान के करियर को लेकर खुलकर बातचीत करना आपके रिश्ते को और मजबूत बनाएगा। जीवनसाथी के साथ बेवजह बहस करने से बचें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है।

वृषभ- वृषभ राशि वालों के लिए दिन समस्याएं लेकर आ सकता है। इस समय बिजनेस से जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेने से पहले हर पहलू पर गंभीरता से विचार जरूर करें। किसी करीबी की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि, कामकाज में भी धीरे-धीरे अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। सेहत से जुड़ी पुरानी परेशानी में राहत मिल सकती है। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात दिन को और खास बना देगी। बिजनेस से जुड़ा बड़ा फैसला सोच-समझकर लें और फिलहाल साझेदारी वाले कामों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी।

मिथुन- मिथुन राशि वालों के लिए दिन खास रहेगा और जीवनसाथी की ओर से मिला कोई खास सरप्राइज आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना भी बन रही है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन हल्का महसूस होगा। आमदनी बढ़ाने के लिए आपको नई योजनाओं पर मेहनत करनी होगी और आपकी कोशिशें धीरे-धीरे रंग भी लाएंगी।

कर्क- कर्क राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। हर काम धैर्य के साथ करें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आज रिश्तों में अपनापन और प्रेम बढ़ने के संकेत हैं। मन में चल रही किसी चिंता का समाधान भी मिल सकता है।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए दिन खास रहेगा, क्योंकि आज आप सफलता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं। मेहनत का अच्छा फल मिलने की संभावना है। किसी नई योजना को लेकर मन में उत्साह बना रहेगा। परिवार में सकारात्मक माहौल बना रहेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को भी अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कन्या- मनचाहा काम समय पर पूरा न होने से थोड़ी निराशा महसूस हो सकती है। इस समय परिवार से जुड़े मामलों में बाहरी लोगों की दखलअंदाजी से बचें। मानसिक तनाव को खुद पर हावी न होने दें। वाहन चलाते समय बिल्कुल लापरवाही न करें।

तुला- तुला राशि वालों के लिए दिन मुश्किलों भरा रहेगा, क्योंकि काम को बार-बार टालने की आदत आज आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। जिम्मेदारियों को गंभीरता से पूरा करना जरूरी होगा। कोई अधूरा काम पूरा होने से राहत महसूस होगी। संयम से काम लेना आपके लिए शुभ रहेगा। आप अपने धन को किसी अच्छी योजना में निवेश करने का विचार बना सकते हैं। संतान को नौकरी या करियर के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज दिन आपके लिए खुशियों भरा रहेगा और ऑफिस में आपकी मेहनत नोटिस की जा सकती है। जीवनसाथी से बातचीत करते समय शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें, छोटी बात भी तनाव बढ़ा सकती है। अपनी योजनाओं पर भरोसा रखें, जल्द चीजें आपके पक्ष में होती नजर आएंगी। पारिवारिक मामलों को मिल-बैठकर सुलझाने की कोशिश करें, क्योंकि बाहरी लोगों की सलाह उलझन बढ़ा सकती है।

धनु- आज का दिन सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का रहेगा। गुस्से पर नियंत्रण रखना आज बेहद जरूरी रहेगा। समझदारी से लिया गया फैसला रिश्तों को बेहतर बना सकता है। किसी बात को लेकर मन थोड़ा परेशान रह सकता है, इसलिए शांत रहना बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलने की संभावना बन रही है।

मकर- मकर राशि वालों को आज सभी चीजों का ध्यान रखना होगा। छोटे बच्चे किसी चीज को लेकर जिद कर सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताना अच्छा महसूस कराएगा। आज आपको अपनी कमाई और खर्चों के बीच सही संतुलन बनाकर चलना होगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही भविष्य में परेशानी दे सकती है।

कुंभ- आज का दिन सामान्य लेकिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। किसी जरूरतमंद की मदद करने का मौका मिले तो जरूर आगे बढ़ें। आपकी समझदारी और धैर्य हर परिस्थिति को संभालने में मदद करेंगे। किसी पुराने काम को दोबारा शुरू करने का विचार बन सकता है।

मीन- मीन राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपको अपनी बात बहुत सोच-समझकर कहने की जरूरत है, क्योंकि आपकी छोटी सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है। लंबे समय से रुका हुआ कोई सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8297

म	अ	मु	न	सी	ग	आ	बै	शा	खी	र
र	क्ष	ली	म	व	जी	णे	द	ज	क	म
चु	य	ल	बा	क	छ	स	श	ब	ख	जा
इं	तृ	ब	न	बा	र	स	ध	च	श	न
डि	ती	ति	क	ल	चा	सं	क्रो	धी	तु	च
य	या	द	र	री	झ	ली	क्रां	ण	घ	र्थी
र	क्षा	बं	ध	न	ई	बै	स	ती	दी	स
क	एं	द	ई	द	ब	द	फ	चो	पा	क
ओ	म	ब	श	रा	म	स	या	औ	व	आ
ण	गॉ	ल	प	ह	जी	त	ऐ	म	ली	द
म	ड	ल	प	य	रा	र्त	व्य	ब	त	म

शब्द जाल में उन 10 पर्वों के नाम ढूंढिए जो भारत में मनाए जाते हैं. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अक्षय तृतीया, बैशाखी, मकर संक्रांती, रमजान, दशहरा, दीपावली,गणेश चतुर्थी, बकरीईद, रक्षा बंधन, ओणम

शब्दजाल - 8296 का हल

रा	क	जं	पु	ग	द	रि	या	दि	ल	ध
म	वि	ल	ग	ख	जी	ग	द	अ	ता	र्म
रा	स	त	यु	व	रा	ज	रा	धि	क	रा
ज	ज	क	दो	पु	ज	ज	ह	रा	त	ज
क	ना	दो	आं	आं	लं	का	म	ज	व	क
जी	द	ग	प	य	द	रा	ज	ण	र	यो
ती	ग	इ	रा	या	प	बा	श	र	ल	गी
क	र्ज	ल्जा	ई	ज	ब	म	र	लो	श	रा
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	त	हा	ह	प	ज
द	पा	दे	व	रा	ज	र्त	ऐ	रा	हा	त
क	दु	व	न	रा	ज	रा	ब	द	ज	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.05 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	09.21 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.33 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.44 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.59 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.15 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.20 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.39 बजे से
राहुकाल		मेष	01.09 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.50 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.48 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 173 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 15.41 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 10.23 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 10.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 15.41 बजे तदनन्तर बालव 04.06 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872748 **जूलियन दिन** 2461213.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः भारतीय संस्कृति का अधिष्ठान

गंगा और यमुना, दोनों हिमालय से निकलीं. लेकिन गंगा ठहरी कुछ गोरी और यमुना का रंग काला. गंगा को अपनी शुभ्रता का अभिमान हुआ. वह ऊपर-ऊपर चली. बेचारी यमुना अपने श्यामल वर्ण के कारण उससे कुछ दूर-दूर चली. लेकिन गर्वीली गंगा ने आगे चलकर देखा कि बिना यमुना के वह शतमुख से सागर में नहीं मिल सकेगी. इसलिए नम्रभाव से गंगा रूकी. उधर से यमुना आई. गंगा ने बड़े प्रेम से उसका स्वागत करते हुए कहा, ''यमुना बहन, तू मेरे पास आ. मैंने तेरा रंग देखकर तुझे हेय माना. पर तेरे किनारे पर कृष्णा भगवान ने भक्ति की वर्षा की, छोटे-बड़ों को एक किया, अपनी वंशी से एकता का गान किया, मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा दी. अरे, तेरी महिमा के क्या कहने !'' यमुना ने गद्गद् स्वर में गंगा से यह सुनकर कहा, ''क्यों बहन, तुम मेरी बड़ाई करती हो, किन्तु तुम्हारी महिमा तो अपरम्पार है. मेरे किनारे पर भक्ति का विकास अवश्य हुआ, पर तुम्हारे किनारे से ज्ञान का प्रकाश फैला. भगवान पशुपतिनाथ तुम्हारे किनारे पर साधना-लीन हुए. असंख्य ऋषि-मुनि तुम्हारे ही तट पर तपस्या करते हैं. राजा-महाराजा अपना राजपाट त्यागकर ब्रह्मचिंतन करते हैं. बहन, तुम पूर्ण ज्ञान हो.'' तभी गुप्त रहनेवाली सरस्वती बोली, ''भक्ति और ज्ञान आवश्यक हैं, पर बिना कर्म के वे अधूरे हैं. इसलिए भक्ति का ज्ञान से और भक्ति-ज्ञान का कर्म से मिलन अनिवार्य है.'' फिर क्या था ! ज्ञानमयी गंगा, भक्तिमयी यमुना और कर्ममयी सरस्वती बाहें फैलाकर एक-दूसरें के आलिंगन में बंध गई. तीनों नदियों का संयम ज्ञान, भक्ति और कर्म की धाराओं का संगम है. भारतीय संस्कृति का यही अधिष्ठान हैं.

फिल्म वर्ग पहेली - 7241

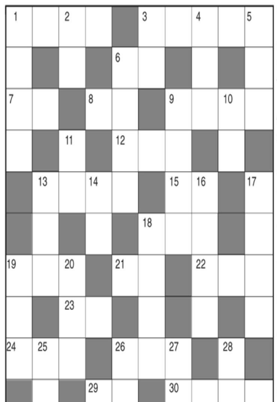

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7240

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7550

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7549 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 8765

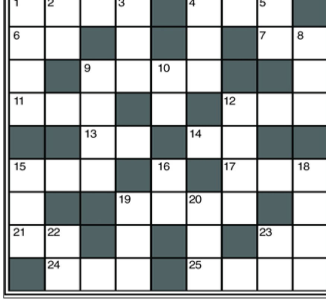

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8764 का हल

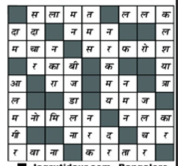

Jagrutidaur.com, Bangalore

सांस ला अंदर झीको....अब धीर-धीर से छोड़ो..... थोड़े सी कमर ला ऐसे झुकाओ...... हाथ ला ऊपर उठाओ.....अब सब हंसो..... खूब हंसो

जहां योग शब्द भी था अनजान, वहां गूंज उठी हंसी और उम्मीद-बैगा अंचल में डीएसपी संतोष पटेल ने कराया योग

पद्मेश न्यूज। लांजी। सड़क किनारे बिछी टाटपट्टी, सामने बैठे बैगा आदिवासी, जंगलों के बीच खिलखिलाती सुबह और उनके बीच जमीन पर बैठकर योग करा रहे डीएसपी संतोष पटेल। यह दृश्य किसी बड़े शहर के योग शिविर का नहीं, बल्कि लांजी क्षेत्र के उस वनांचल का था, जहां कभी योग शब्द तक लोगों के लिए अनजाना था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जब डीएसपी संतोष पटेल ने बैगा आदिवासियों से पूछा बताओ, योग क्या होता है? तो कुछ ऐसे मासूम और भोले जवाब सामने आए कि वहां मौजूद लोगों की हंसी छूट पड़ी। कई लोगों ने पहली बार यह शब्द सुना था। लेकिन इसी हंसी को मुस्कान और जागरूकता में बदलते हुए डीएसपी पटेल ने बड़े स्नेह से योग का महत्व समझाया। फिर अपनी आत्मीय शैली में उन्होंने बैगा समाज की भाषा में कहना शुरू किया- सांस ला अंदर झीको....अब धीर-धीर से छोड़ो..... थोड़े सी कमर ला ऐसे झुकाओ...... हाथ ला ऊपर उठाओ.....अब सब हंसो..... खूब हंसो डीएसपी की यह अपनत्व भरी भाषा बैगा भाई-बहनों के दिल में उतर गई। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या युवा, सभी ने पूरे उत्साह के साथ योग अभ्यास किया और जमकर आनंद लिया। गौरतलब हो की कभी जहां जंगलों में सन्नाटा पसरा रहता था, आज वहीं योग की हंसी, ददरिया की तान, क्रिकेट की तालियां और मां दुर्गा के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। यह केवल बदलाव नहीं, बल्कि उन वनांचलों की नई सुबह है, जहां अब बंदूकों की गूंज नहीं, बल्कि विश्वास, अपनत्व और मुस्कुराते चेहरों की रोशनी फैल रही है। वहीं अब बालाघाट जिले के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के मार्गदर्शन और डीएसपी संतोष पटेल की जनसरोकारों से जुड़ी कार्यशैली ने इन वनांचल क्षेत्रों में विश्वास का नया अध्याय लिखा है। लोग अब डीएसपी संतोष पटेल को केवल उनके पद से नहीं, बल्कि उनके मिलनसार स्वभाव, सहज व्यवहार और जनजातीय समाज के प्रति आत्मीयता के लिए पहचानने लगे हैं।

हम तनाव नहीं लेते, रोग होता है तो ऊपर चल देते हैं

योग अभ्यास के दौरान बैगा समाज की अम्मा पुसली बाई और एक बुजुर्ग बाबा भी शामिल हुए। डीएसपी संतोष पटेल ने मुस्कुराते हुए कहा-अम्मा, योग करोगे तो निरोग रहोगे, तनाव मुक्त जीवन मिलेगा।' इस पर अम्मा पुसली बाई का जवाब सुनकर हर कोई मुस्कुरा उठा। उन्होंने कहा हम न तनाव लेते हैं, न हमारे को रोग होते हैं....और जब रोग होते हैं तो ऊपर चल देते हैं। अम्मा की इस सहज और निश्छल बात ने वहां मौजूद लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी और जंगल की वह सुबह और भी खुशनुमा बन गई।

कभी यहां सन्नाटा था, अब गूंज रहे हैं गीत और उत्सव

लांजी क्षेत्र के अतिसंवेदनशील ग्राम शक्तिझोड़ी, सायर संदूका और टेमनी कभी नक्सल गतिविधियों के कारण भय खामोशी और अलगाव की जिंदगी जीते थे। तीज-त्योहार, खेलकूद और सामाजिक आयोजनों की यहां कल्पना तक नहीं की जाती थी। लोग मुख्यधारा से जुडऩे के बारे में सोचते तक नहीं थे, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। नक्सल मुक्त होने के बाद बैगा समाज में सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का नया सूरज उग रहा है। इसी बदलाव का प्रमाण तब मिला, जब शक्तिझोड़ी और सायर संदूका में बैगा आदिवासियों ने पहली बार नवरात्रि पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की। पूरे नौ दिनों तक पूजा-अर्चना की गई और सबसे बड़ी बात यह रही कि पूरे नौ दिनों तक किसी ने शराब का सेवन नहीं किया। इस आयोजन में क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे भी शामिल हुए और बैगा समाज के इस सकारात्मक बदलाव की सराहना की। बतादे कि कुछ दिनों पूर्व अमर शहीद आशीष शर्मा कि स्मृति में नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टुर्नामेंट का भी बखुबी आयोजन किया गया था जिसमें वनांचल क्षेत्र के प्रतिभावानों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसके साक्षी विधायक राजकुमार कर्राहे, एसपी आदित्य मिश्रा बने तथा इन्ही डीएसपी संतोष पटेल के कुशल नेतृत्व मे यह संपूर्ण आयोजन किया गया था जिसमें हॉक फोर्स की टीम, जिला पुलिस बल एवं स्थानीय गणमान्य जनों एवं नागरिको ने भरपूर सहयोग प्रदान किया था।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर में संचालित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार सहित विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं निरोग जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा मंडल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरासिया द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक भानुप्रताप खाण्डे एवं पीटीआई रामगोपाल नगपुरे ने विद्यार्थियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय मेश्राम, समाजसेवी झनकार किरनापुरे, मंडल अध्यक्ष बिसोनी देवेश येडे, पार्षद दिनेश कचवाहे, पुरुषोत्तम कलपुरीया, खेल प्रशिक्षक प्रज्ञात वासनिक, आयुष विभाग, बीआरसी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन का वातावरण अनुशासन, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहा। योगाभ्यास के पश्चात उपस्थित सभी लोगों को स्वास्थ्यवर्धक अंकुरित अनाज मूंग एवं चना का स्वल्पाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डी.के. फुल्झारे ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए योग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया तथा उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक चौरासिया ने कहा करो योग रहो निरोग का संदेश देते हुये भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिय ने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन संतुलित रहता है। आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं सभी उपस्थित जनों ने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग का महत्व और भी बढ़ गया है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए, ताकि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बन सकें। योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने की कला है। मैं सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों से अपील करता हूं कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और निरोग भारत के निर्माण में सहयोग करें।

योग दिवस केवल औपचारिकता नहीं, स्वस्थ जीवन का संकल्प है-झनकार किरनापुरे

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बड़गांव में योग शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को एकल अभियान के तत्वावधान में ग्राम बड़गांव में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक भानूप्रताप खांडे द्वारा उपस्थित ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर एकल संच अभियान के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, शोभा मुरकुटे, वीणा उपराड़े, पल्लवी खरगाल, ग्राम सरपंच श्रीमती माही नूमेंद्र भगत, पुलिस पटेल धर्मेंद्र बैस, ढोंढूलाल लिल्हारे, पूर्व सरपंच रामेश्वर लिल्हारे, भरत लिल्हारे, चुन्नूलाल करायत, सिद्धार्थ फुलमारे, लता लिल्हारे, कौशिला लिल्हारे तथा शासकीय स्कूल बड़गांव के राकेश कुमार चंद्रिकापुरे, धुर्व गजभिए, सुशीला घरते, माधुरी अंबादे, बिंदु लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने कहा कि वर्तमान समय में योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। आधुनिक जीवनशैली और मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग के कारण लोग शारीरिक गतिविधियों से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग दिवस केवल औपचारिकता या फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग और प्राणायाम व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं। दुर्भाग्यवश आज अनेक लोग योग और प्राणायाम के महत्व से भी अनभिज्ञ हैं। उन्होंने बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों से भी मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा नियमित रूप से योग और प्राणायाम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि हम योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे, तो निश्चित रूप से स्वस्थ, संतुलित और निरोग जीवन की ओर अग्रसर होंगे।

कृषि केंद्रों के लाइसेंस निरस्त होने से खाद बीज का संकट -गोदामों में बंद हैं लाखों का माल

पद्मेश न्यूज। लांजी। खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले कृषि केंद्र संचालकों के खिलाफ कृषि विभाग की कार्रवाई ने पूरे लांजी क्षेत्र की खेती-किसानी को मुश्किलों में डाल दिया है। क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक कृषि केंद्रों के लाइसेंस निरस्त कर दिए जाने से खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों और अन्य कृषि सामग्री की उपलब्धता पर अचानक संकट खड़ा हो गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि विभाग ने इतनी बड़ी कार्रवाई तो कर दी, लेकिन किसानों की जरूरतों और वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए। लाइसेंस निरस्त होने के बाद कृषि केंद्र संचालक न तो नया माल खरीद पा रहे हैं और न ही अपने यहां उपलब्ध स्टॉक का विक्रय कर पा रहे हैं। कई केंद्रों में लाखों रुपये की खाद, बीज और कीटनाशक सामग्री गोदामों में पड़ी हुई है, लेकिन वह किसानों तक नहीं पहुंच पा रही है। व्यापारियों का कहना है कि खरीफ सीजन के मद्देनजर उन्होंने पहले से ही पर्याप्त स्टॉक मंगाकर रखा था, लेकिन विभागीय कार्रवाई ने उनका पूरा कारोबार ठप कर दिया है।

एक ओर सरकारी सहकारी समितियों में खाद और यूरिया के लिए लंबी कतारें, धक्का-मुक्की और अव्यवस्था किसी से छिपी नहीं है, वहीं दूसरी ओर निजी कृषि केंद्रों में कृषि कार्य के लिये उपयोगी खाद, बीज और कीटनाशक सामग्री नहीं मिलने से किसानों के सामने विकल्प भी समाप्त हो गए हैं। बारिश शुरू होने के साथ ही धान सहित अन्य खरीफ फ सलों की बुवाई का समय निकलता जा रहा है, लेकिन किसानों को समय पर खाद और बीज नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में विभाग की कार्रवाई किसानों के लिए %दुबले पर दो आषाढ़' जैसी स्थिति पैदा कर रही है। इस संबंध में किसानों और कृषि केंद्र संचालकों का कहना है कि यदि किसी प्रकार की दस्तावेजी या तकनीकी खामियां थीं तो विभाग को पहले उन्हें सुधारने का अवसर देना चाहिए था। बिना किसी पूर्व सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के एक साथ इतने बड़े पैमाने पर लाइसेंस निरस्त करना किसानों के हितों के साथ कृषि विभाग का दोहरा व्यवहार है।

वहीं दूसरी ओर कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि खरीफ फ सलों की समय पर बुवाई के लिए खाद, बीज और कीटनाशक की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। यदि अगले कुछ दिनों में स्थिति सामान्य नहीं हुई तो बुवाई प्रभावित होने के साथ-साथ उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। किसानों और कृषि केंद्र संचालकों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर मामले की समीक्षा करने और शीघ्र समाधान निकालने की मांग की है, ताकि खेती-किसानी पर मंडरा रहा यह संकट और गहरा न हो सके।

शासकीय हाई स्कूल देवलगांव में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय हाई स्कूल देवलगांव में 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।कार्यक्रम का शुभारंभ शाला के प्राचार्य आर.के. बेंजामिन एवं एसएमडीसी अध्यक्ष पूरणलाल बागडकर द्वारा भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन कर किया गया। इसके बाद शासन द्वारा निर्धारित योग दिवस कार्यक्रम का रेडियो के माध्यम से प्रसारण सभी ने सुना। योग कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 10वीं तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग शिक्षक एस.एल. घोरमारे ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ एवं निरोग जीवन के लिए प्रतिदिन योग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है। कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय हाई स्कूल देवलगांव सहित शासकीय प्राथमिक शाला देवलगांव एवं शासकीय प्राथमिक शाला चमार टोली के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राचार्य आर.के. बेंजामिन, एस.एल. घोरमारे, ईश्वरी प्रसाद कुशले, शैलेश नागदेवे, दुधराम चौधरी, भोलाराम घोरमारे, श्रीमती सविता टेंभरे, इंद्रराज हरिणखेड़े, श्रीमती प्रीति नागफासे एवं श्रीमती डाली भाजीपाले सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। अंत में सभी ने नियमित योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज

चुनाव से पहले जमानत राशि बढ़ाने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने इस सप्ताह नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। बैठक में चुनाव से जुड़े कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी। सबसे प्रमुख एजेंडा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की जमानत राशि बढ़ाने का प्रस्ताव है। आयोग और सरकार का मानना है कि वर्तमान में जमानत राशि अपेक्षाकृत कम होने के कारण बड़ी संख्या में गैर-गंभीर उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में उतर जाते हैं, जिससे चुनाव प्रबंधन प्रभावित होता है।

प्रस्ताव के अनुसार, नगर निगम महापौर पद के लिए जमानत राशि 20 हजार रुपये से बढ़ाकर 32 हजार रुपये और नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 24 हजार रुपये किए जाने पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान नियमों के तहत कुल वैध मतों का 6 प्रतिशत से कम वोट पाने वाले प्रत्याशियों की जमानत राशि जब्त हो जाती है।

महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण पर भी चर्चा

बैठक में नगरीय निकायों और पंचायतों में आरक्षण प्रक्रिया की रूपरेखा पर भी विचार होगा। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रखने की तैयारी की जा रही है।

30 जुलाई को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने अद्यतन मतदाता सूची तैयार करने का काम तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार सभी दावों-आपत्तियों और नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 जुलाई को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसी सूची के आधार पर आगामी चुनाव क्षेत्रों का निर्धारण और मतदान की रूपरेखा तय होगी। हालांकि, अगले वर्ष प्रस्तावित चुनाव जनवरी 2027 में अंतिम रूप से प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने की संभावना है।

भोपाल बनेगा प्रदेश का पहला ई-व्हीकल नगर निगम

- अधिकारियों के लिए 50 इलेक्ट्रिक वाहनों खरीद रहा बीएमसी

भोपाल । नगर निगम अब हरित और आधुनिक प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। नगर निगम ने अपने अधिकारियों के लिए 50 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और उनके संचालन हेतु 30 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर जारी हो चुके हैं और जल्द ही ये वाहन निगम के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। इसके साथ ही भोपाल सरकारी कार्यों में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने वाला मध्य प्रदेश का पहला नगर निगम बनने की ओर अग्रसर है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में आयुक्त, अपर आयुक्त, उपायुक्त और सहायक आयुक्त स्तर के अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। इन वाहनों के संचालन और रखरखाव के लिए तीन वर्ष की अवधि का टेंडर जारी किया गया है। चयनित एजेंसी वाहनों की उपलब्धता, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगी।

ईवी वाहनों के सुचारू संचालन के लिए शहर के विभिन्न निगम कार्यालयों और प्रमुख स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से 30 चार्जिंग स्टेशन भी विकसित किए जाएंगे। इससे वाहनों की चार्जिंग और संचालन में किसी प्रकार की समस्या नहीं आएगी। यह पहल मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति-2025 के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य सरकारी संस्थानों में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसी नीति के तहत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी शहरी निकायों को धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, भोपाल स्मार्ट सिटी भी विभिन्न सरकारी विभागों के लिए ईवी एग्रीगेटर की भूमिका निभाएगी। योजना के तहत लगभग 2500 इलेक्ट्रिक वाहनों का साझा बेड़ा तैयार किया जाएगा, जिन्हें विभिन्न विभागों को लीज मॉडल पर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही शहर के प्रमुख प्रशासनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में लगभग 60 अतिरिक्त चार्जिंग स्टेशन भी विकसित किए जाएंगे।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर

यह पहल मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति-2025 के तहत की जा रही है। 27 मार्च 2025 से लागू इस नीति में शासकीय संस्थाओं में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी के तहत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगरीय निकायों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के निर्देश दिए हैं। भोपाल स्मार्ट सिटी विभिन्न शासकीय विभागों के लिए ईवी एग्रीगेटर के रूप में काम करेगी। योजना के तहत भोपाल स्मार्ट सिटी और बीसीएलएल शहर के प्रमुख प्रशासनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन भी विकसित करेंगे।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर थमे कदम

भोपाल। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में उत्साह, ऊर्जा और जनभागीदारी के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहली बार एक वृहद योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने यात्रियों और रेलवे से जुड़े कर्मचारियों के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया।

देशभर मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पहली बार रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग रखी गई है, जिसका उद्देश्य हर आयु वर्ग के लोगों को योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भी हुए शामिल

कार्यक्रम में रेलवे सुरक्षा बल, शासकीय रेलवे पुलिस, बेल्डर, कुली, पॉइंट्समैन, ऑटो रिक्शा चालक, रेलवे कर्मचारी और रेल सेवाओं से जुड़े विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस विशेष आयोजन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजाबाबू सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजाबाबू सिंह ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो व्यक्ति को तनावमुक्त, ऊर्जावान और सकारात्मक बनाती है। नियमित योगाभ्यास से बढ़ती उम्र में भी व्यक्ति स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बना रह सकता है। देश को स्वस्थ्य रखने का इससे अच्छा कोई कार्यक्रम नहीं हो सकता। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन जैसे व्यस्त और आधुनिक रेलवे परिसर में पहली बार आयोजित यह कार्यक्रम एक नई पहल के रूप में सामने आया है। रेलवे प्रशासन ने इस आयोजन के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया कि योग केवल पार्कों और सभागारों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर भी इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान रेलवे परिसर में अनुशासन, सामूहिक सहभागिता और सकारात्मक ऊर्जा का अनूठा वातावरण देखने को मिला। यात्रियों ने भी इस पहल की सराहना की और कई लोगों ने योग के महत्व को समझते हुए नियमित रूप से इसे अपनाने का संकल्प लिया।

स्वर्णिम चतुर्भुज योजना 2 से चमकेगी देश की किस्मत

- कई सेक्टरों में आएगा बूम, गजब फायदे

भोपाल। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय राष्ट्रीय स्वर्णिम चतुर्भुज योजना शुरू की गयी थी। जिसने सडक़ परिवहन के मामले में एक तरह से भारत को एक माला की तरह पिरो दिया है। एक विशाल रोड नेटवर्क के जरिए हमारे देश के चार कोनों को चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता से जोड़ा गया था। राष्ट्रीय स्वर्णिम चतुर्भज योजना के बाद अब केंद्र की सरकार राष्ट्रीय स्वर्णिम चतुर्भुज योजना-2 पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य सिर्फ सडक़ों के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक आधारित हाईस्पीड एक्सप्रेस-वे नेटवर्क तैयार करना है।

भारत जैसे विशाल देश का भूगोल ऐसा है कि यहां पर माल परिवहन औद्योगिक विकास की गति बढ़ाने में बड़ा रोड़ा है। देश के नेशनल हाइवे, इंडस्ट्रियल हब के आसपास सडक़ों का बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर ना होने और लगातार जाम के कारण माल परिवहन में दुनिया में सबसे महंगा है। जिसके कारण औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ जाती है और बड़े पैमाने पर समय बर्बाद होता है। सडक़ों के जरिए माल परिवहन की गति बेहतर रोड नेटवर्क ना होने के कारण काफी धीमी हो जाती है।ऐसे में उत्पादों की कीमत बढ़ती है और औद्योगिक मुनाफा घट जाता है। ऐसे में गोल्डन क्वॉड्रिलैटरल 2.0 एक ऐसा एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर होगा, जो भीड़भाड़ वाले और जाम वाले शहरों के समांतर तैयार किया जाएगा। जो वाणिज्यिक माल ढुलाई की लागत कम करने के साथ गति प्रदान करेगा। इसके जरिए महानगरों और देश के औद्योगिक शहरों के बीच बेहतर संपर्क तैयार किया जोगा। माल ढुलाई में लगने वाले समय को 40 फीसदी तक कम किया जाएगा।

सडक़ों का बढ़ेगा जाल

देश के मौजूदा नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस वे पर वाहनों की भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा। इसके जरिए देश के प्रमुख 11 इकानॉमिक कॉरिडोर को एकीकृत कर क्षेत्रीय विकास और लाजिस्टिक नेटवर्क को मजबूत और गति प्रदान की जाएगी। ये परियोजना एक तरह से शुरू हो चुकी है। कई जगहों पर भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी में मामला अटका हुआ है। इस परियोजना की लागत 11 लाख करोड़ रुपए आंकी जा रही है। परियोजना के तहत आने वाले 5 से 7 साल के भीतर देश में 17 हजार किमी एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जाएगा।

गोल्डन क्वॉड्रिलैटरल 2.0 की विशालता

राष्ट्रीय स्वर्णिम चतुर्भुज - 2.0 की बात करें, तो इसका नेटवर्क विशालता लिए हुआ है। यह विश्वस्तरीय रोड नेटवर्क का दुनिया का एक अलग नमूना होगी। ये भारत के आर्थिक और औद्योगिक विकास की रीढ़ की हड्डी बनेगा और व्यापार के साथ यात्रा को निर्बाध गति प्रदान करेगा। जब परियोजना की विशालता की बात की जाती है, तो सरकार अगले पांच से सात साल के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय परियोजना के तहत 9 हजार किमी लंबी एक्सप्रेस वे योजनाओं को पहले ही मंजूर कर चुका है। फिलहाल 10 हजार किमी की योजना प्रस्तावित है, जिन्हें 2027 तक मूर्त रूप दे दिया जाएगा। इस परियोजना के तहत 17 हजार किमी के एक्सप्रेस वे आकार लेंगे।

देश में इन सेक्टर में आएगा बूम

गोल्डन क्वॉड्रिलैटरल 2.0 का देश की अर्थ व्यवस्था पर काफी असर पड़ेगा। खासकर रियल एस्टेट, इकॉनामिक कॉरिडोर और सैटेलाइट शहर जैसे सेक्टर में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा।

नए औद्योगिक गलियारे लेंगे आकार

देश के 11 इकोनॉमिक कॉरिडोर राष्ट्रीय स्वर्णिय चतुर्भुज परियोजना - 1.0 के आसपास निर्मित किए जा रहे हैं। गोल्डन क्वॉड्रिलैटरल 2.0 के तैयार होने के बाद बड़ी कंपनियां अपने फैक्ट्री और गोदाम महंगे, शहरी इलाकों से दूर ऐसे एक्सप्रेस वे के नजदीक करेंगे, जिनसे माल परिवहन में तेजी आएगी। इन एक्सप्रेस वे के नजदीक लॉजिस्टिक हब और इंडस्ट्रियल पार्क विकसित होंगे।

रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी

गोल्डन क्वॉड्रिलैटरल 2.0 के आकार लेना शुरू होते ही इसके आसपास और इसके किनारे रियल एस्टेट व्यावसाय में तेजी आएगी। इन एक्सप्रेस वे से लगी जमीनें महंगी होगी। अचल संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ेंगे और यहां के जमीनों के दाम महानगरों की तरह हो जाएंगे। नए एक्सप्रेस वे से लगे हुए कस्बे और शहर सैटेलाइट शहर के तौर पर विकसित होंगे। यहां की आवासीय और व्यावसायिक संपत्ति के दामों में उछाल आएगा। देश भर में यात्रा के लिए बेहतर कनेक्टिविटी इन शहरों से विकसित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेशभर में हुआ योगोत्सव, राष्ट्रपति मुर्मु और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया योग

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे मध्यप्रदेश में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। जबलपुर के सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सामूहिक योगाभ्यास किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल के मेजर ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में योग कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस वर्ष की थीम 卐योगा फॉर हेल्दी एजिंग卐 है, जो स्वस्थ और संतुलित जीवन का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि योग वैश्विक शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को विश्वव्यापी पहचान मिली है और आज दुनिया के लगभग 2500 स्थानों तथा 210 से अधिक भारतीय दूतावासों में योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने योग के रूप में विश्व को मानव कल्याण का अमूल्य उपहार दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति ने सदैव 卐वसुधैव कुटुम्बकम卐 और 卐सर्वे भवन्तु सुखिन:卐 का संदेश दिया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और सामाजिक समरसता का आधार है। उन्होंने महर्षि पतंजलि और भगवान शिव को नमन करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश योग और आध्यात्मिक परंपराओं की पावन भूमि रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि योग हजारों वर्षों से भारत की सांस्कृतिक पहचान रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह वैश्विक जनआंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति के तन और मन दोनों को स्वस्थ रखकर सकारात्मकता का संचार करता है तथा प्रत्येक नागरिक को इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, प्रह्लाद सिंह पटेल सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के सभी मंडलों में योग कार्यक्रमों में भाग लिया। बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता ने योग दिवस को जनोत्सव का स्वरूप प्रदान किया।

-री-नीट परीक्षा से पहले भोपाल में छात्र संगठन ने किया हवन, बोले

सरकार पर भरोसा नहीं भगवान भरोसे छात्र

भोपाल। पेपर लीक विवाद के बाद रविवार को देशभर में री-नीट परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजामों के दावों के बीच राजधानी भोपाल में छात्र संगठन एनएसयूआई ने हवन-पूजन कर परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी आयोजन की कामना की। गौरतलब है कि तीन मई को आयोजित नीट परीक्षा पेपर लीक के आरोपों के बाद विवादों में घिर गई थी। मामले को लेकर देशभर में छात्रों ने प्रदर्शन किए और परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाए। इसके बाद परीक्षा निरस्त कर दोबारा री-नीट कराने का फैसला लिया गया।

रविवार को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार और जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हवन किया। कार्यकर्ताओं ने भगवान से प्रार्थना की कि इस बार परीक्षा बिना किसी पेपर लीक और अनियमितता के संपन्न हो तथा लाखों विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर भी अपनी चिंता जाहिर की। तख्तियों पर हे भगवान, इस बार नीट पेपर लीक मत होने देना, नीट बचाओ, देश बचाओ और छात्रों का भविष्य बचाओ जैसे संदेश लिखे थे।

लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का भरोसा टूटा

प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि पिछली परीक्षा में हुए पेपर लीक ने लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का भरोसा तोड़ दिया था। परीक्षा रद्द होने के कारण छात्रों को मानसिक तनाव और अनिश्चितता का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार सुरक्षा के दावे कर रही है, लेकिन छात्रों का विश्वास अब भी पूरी तरह बहाल नहीं हुआ है। यही वजह है कि संगठन को निष्पक्ष परीक्षा के लिए भगवान से प्रार्थना करनी पड़ रही है।

दोबारा गड़बड़ी हुई तो होगा अन्याय

जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि युवा अपनी मेहनत और प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन बार-बार सामने आने वाले पेपर लीक उसकी मेहनत पर पानी फेर देते हैं। यदि इस बार भी किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो यह लाखों छात्रों के भविष्य के साथ बड़ा अन्याय होगा। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए और पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। हवन कार्यक्रम में कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विनोद / 21 जून 26

चीतों के स्वागत को तैयार रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व

- 439 हेक्टेयर में विकसित हो रहा नया आवास, कूनो के गौरव समेत पांच चीतों की हो सकती है एंट्री

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश में चीता पुनर्स्थापना परियोजना लगातार विस्तार पा रही है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य के बाद अब रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों का तीसरा बड़ा ठिकाना बनने जा रहा है। रिजर्व के 439 हेक्टेयर वन क्षेत्र में चीतों के लिए विशेष आवास तैयार किया जा रहा है, जिसका करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वन विभाग का लक्ष्य इस महीने के अंत तक सभी तैयारियां पूरी कर चीतों को यहां बसाने का है।

मध्य प्रदेश में चीतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके लिए नए और सुरक्षित आवास विकसित किए जा रहे हैं। कूनो से तीन चीतों को पहले ही गांधी सागर में स्थानांतरित किया जा चुका है, जबकि अब रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व को अगले केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए 50 वनकर्मियों को कूनो में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है तथा आसपास के 40 गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर 4 हजार से अधिक लोगों को चीता संरक्षण की जानकारी दी गई है। रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की 1975 में नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापना की गई। प्रारंभिक क्षेत्रफल 1,197 वर्ग किलोमीटर था। इसे 20 सितंबर 2023 को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया और नया नाम वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व रखा गया। अब इसका कुल क्षेत्रफल 2,339 वर्ग किलोमीटर है। वहीं कोर एरिया 1,414 वर्ग किलोमीटर और बफर एरिया 925.12 वर्ग किलोमीटर है। अब इसका विस्तार सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों तक हो गया है।

वेयरहाउस को नोटिस मिलने पर भडक़े जीतू पटवारी, अधिकारी से बोले

सरकार का माल हटा लो, बेइज्जती बर्दाश्त नहीं

भोपाल। इंदौर के सांवेर स्थित अपने वेयरहाउसों को नोटिस मिलने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन आमने-सामने आ गए हैं। निरीक्षण के बाद नोटिस जारी होने से नाराज पटवारी ने कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर बात कर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई और साफ शब्दों में कहा कि यदि सरकार को उनके वेयरहाउस में कोई कमी नजर आती है तो तत्काल सरकारी अनाज वहां से हटा लिया जाए। दरअसल, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नागायच ने सांवेर के पालिया गांव स्थित पटवारी के वेयरहाउसों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी समेत कई व्यवस्थाओं में कमियां मिलने का दावा किया गया। इसके बाद अधिकारियों को नोटिस जारी करने और नियमों के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नोटिस की जानकारी मिलने के बाद पटवारी ने कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक अनुराग वर्मा से फोन पर चर्चा की। बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेशन के नए अध्यक्ष राजनीतिक मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं। पटवारी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान जालों और छोटी-छोटी बातों को मुद्दा बनाया गया। यदि भाजपा से जुड़े लोग बदले की भावना से कार्रवाई करेंगे तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे किसी के कर्जदार नहीं हैं और दबाव में आकर नियमों से समझौता नहीं करेंगे।

माल हटाना है तो हटा लीजिए

फोन पर हुई बातचीत में पटवारी ने अधिकारियों से कहा कि वे पहले भी वेयरहाउस खाली कराने के लिए पत्र लिख चुके हैं और अब फिर वही आग्रह कर रहे हैं। यदि कॉर्पोरेशन चाहे तो अपना पूरा माल वहां से हटा सकता है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकारी अनाज उनके वेयरहाउस में रखा है, उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उनकी है और उसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। नियमित निरीक्षण के लिए भी अधिकारियों का स्वागत है।

किराया भुगतान पर भी उठाए सवाल

पटवारी ने वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ किराए का भुगतान समय पर नहीं किया जाता, दूसरी तरफ वेयरहाउस संचालकों को परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा कि वे बेवजह की बेइज्जती सहने के लिए तैयार नहीं हैं। वेयरहाउस निरीक्षण और उसके बाद सामने आई बातचीत ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।

मप्र में 25 जून का आ सकता है मानसून

भोपाल । मध्य प्रदेश में मानसून लगातार लेट हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी मानूसन के लिए प्रदेश के लोगों को और इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि इस दौरान प्रदेश के कई इलाकों में प्री मानसून एक्टीविटी जारी रहेगी। मौसम विशेषज्ञ प्रदेश में 25 जून तक मानसून की एंटी की उम्मीद जता रहे हैं, हालांकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कई दिनों से ओडिशा, तेलंगाना, झारखंड, बिहार को पार करते हुए यह छत्तीसगढ़ कब तक पहुंचता है। हालांकि फिलहाल इसके आगे बढने की परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। उधर मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के टीकमगढ़, निवाड़ी सहित 24 जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा बताते हैं कि मानसून की उत्तरी सीमा लगातार सोलापुर, हैदराबाद, कोरापुट, फूलबनी, रांची, मुजफ्फरापुर से होते हुई गुजर रही है। इसके 23 जून को और आगे बढने की उम्मीद है। हालांकि मानसूनी हवाएं प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश करा रही हैं। इसके चलते अगले दो दिन प्रदेश के कई क्षत्रों में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 जून तक यदि मानसून की छत्तीसगढ़ में एंट्री हो गई, तो इसके बाद अगले दो दिन में मानसून की मध्य प्रदेश में एंट्री होने की संभावना है। उधर प्रदेश के भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, इंदौर, चंबल, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में कुछ स्थानों पर बारिश होने से तापमान स्थिर बना हुआ है। उधर खजुराहो, नौगांव, सीधी, जबलपुर, दतिया और मंडला में अभी भी गर्मी सता रही है। इन शहरों में अभी भी दिन का तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच बना हुआ है।

चार दिन प्रदेश में मौसम का हाल

22 जून को मध्य प्रदेश के निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, विदिशा, अशोकनगर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बारिश की संभावना जताई गई है। 23 जून को प्रदेश के श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया के अलावा झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगौन, देवास, खंडवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर में बारिश होने की संभावना है। 24 जून को इंदौर, खरगौन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, हरदा, नर्मदापुर, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर , सीधी में बारिश की संभावना जताई गई है। 25 जून को बड़वानी, खरगौन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, सीधी, रीवा, मऊगंज में बारिश की संभावना जताई गई है। प्रदेश के बाकी हिस्सों में मानसून सामान्य रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास...

-जड़ी लिस्ट-ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी

दांबुला। श्रीलंका-ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के खिताबी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी का जलवा देखने को मिला। रविवार को दांबुला के रणगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में वैभव ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इंडिया-ए के लिए खेलने उतरे वैभव ने सिर्फ 11 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली, जिसमें 5 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। देखा जाए तो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचने के दौरान सिर्फ चौके-छक्के में डील किया और एक सिंगल तक नहीं लिया। 15 साल के वैभव ने तेज गेंदबाज दुलाज समुदिता की गेंद पर छक्का लगाकर अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचे।

वैभव सूर्यवंशी अब लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वीरारत्ने ने 1 नवंबर 2005 को रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए कुरुनेगला यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ सिर्फ 12 बॉल पर फिफ्टी जमा दी थी। वैभव ने सरफराज खान द्वारा बनाए गए भारतीय रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सरफराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सीजन में मुंबई की ओर से पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

सबसे तेज लिस्ट-ए शतक जडने् का मौका गंवाया

वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज लिस्ट-ए शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने से भी बाल-बाल चूक गए। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम पर है। जेक ने अक्टूबर 2023 में साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए तस्मानिया के खिलाफ सिर्फ 29 बॉल पर शतक जमा दिया था। इस ट्राई सीरीज में फैन्स की निगाहें पूरी तरह वैभव सूर्यवंशी पर थीं। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में कुल मिलाकर 117 रन बना पाए थे। लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्होंने कत्लेआम मचा दिया। वैभव अब आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले हैं, जहां उनका इंटरनेशनल डेब्यू होने की पूरी संभावना है।

शुभमन ने यशस्वी को बेहतरीन बल्लेबाज बनाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर टीम की जीत में हम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने इस मैच में 110 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम ने इस मैच में टीम ने 9 विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। मैच में यशस्वी ने अपने एकदिवसीय करियर का दूसरा शतक जड़ा। यह उपलब्धि उन्होंने केवल छठी पारी में हासिल की जीत के बाद, शुभमन ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण कई बार यशस्वी को बाहर बैठना पड़ा है पर इसका मतलब प्रदर्शन से नहीं है। शुभमन ने यशस्वी को एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी करार दिया। साथ ही माना है कि टीम में जगह को लेकर होने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण कभी-कभी उन्हें बाहर बैठना पड़ता है। गिल ने कहा, हम सभी भली-भांति जानते हैं कि वह एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर बैठना आसान नहीं होता। सच तो यह है कि अगर टीम के सभी मुख्य खिलाड़ी उपलब्ध हों, तो यशस्वी वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन जाते हैं जिन्हें कभी-कभी अंतिम ग्यार से बाहर बैठना पड़ता है। कप्तान ने इस बात पर खुशी जताई कि जायसवाल ने इस श्रृंखला में मिले मौकों को बखूबी भुनाया और भविष्य में भी इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई। टीम के संयोजन को मजबूत करने के लिए शुभमन ने सीरीज के आखिरी दो मैचों में हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गिल ने ऐसा इसलिए किया ताकि यशस्वी नियमित कप्तान रोहित के साथ पारी की शुरुआत कर सकें। कप्तान का यह प्रयोग बेहद सफल रहा, जहां रोहित ने भी 79 रनों की एक परिपक्व पारी खेलते हुए यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 170 रनों की विशाल साझेदारी की।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप जीता

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप में जीत के साथ ही अगले सत्र के लिए भी प्रो लीग में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच महिला प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। ये भारतीय हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भारतीय टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट में विजेता बनी है।

खिताबी मुकाबले में शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही। उसने न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। मैच के चौथे मिनट में ही नवनीत कौर ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाद 15वें मिनट में, सुनेलिता टोप्पो ने दूसरा गोल दाग दिया। इन दो शुरुआती गोलों के बाद मेजबान टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद मेजबान टीम के किये हमले भारतीय रक्षापंक्ति ने विफल कर दिये। इससे कीवी टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। इससे मेजबानों को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम

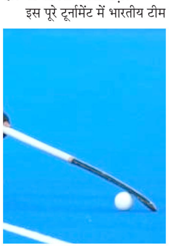

ने अपने सभी मैच जीते। इससे उसकी निरंतरता का सबूत मिलता है। पूल चरण में टीम ने अमेरिका को 3-2 से, जापान को 2-1 से और उरुग्वे को 3-2 से हराया। इन करीबी जीतों से टीम का मनोबल बढ़ा है। इसके बाद सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने चिली को 6-0 के बड़े अंतर से हराया था। इसके बाद खिताबी मुकाबले में भी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए लालरेमसियामी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। वहीं, टूर्नामेंट में भारत की ओर से दीपिका ने सबसे अधिक छह गोल किये।

टीम की इस शानदार उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहायोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की जमकर सराहना करते हुए इसे देश को गर्व का अनुभव हुआ है।

भुवनेश्वर कुमार की स्विंग से प्रेरित नंदिनी शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को शुरुआती सफलताएं दिलाईं, जिससे उनकी प्रतिभा और भविष्य की उम्मीदों पर सबका ध्यान केंद्रित हो गया है। इस बड़े टूर्नामेंट में नंदिनी भारत के लिए एक अहम भूमिका निभा सकती हैं, और यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर भारत को महिला टी-20 विश्व कप जीतना है तो नंदिनी सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में, नंदिनी शर्मा ने भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को अपना आदर्श बताया और उनसे बहुत कुछ सीखने की इच्छा भी जाहिर की है।

आईसीसी द्वारा साझा किए गए एक साक्षात्कार में, नंदिनी शर्मा से जब पहला सवाल पूछा गया कि उन्होंने किस क्रिकेटर को कॉपी करने का प्रयास किया था, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के भुवनेश्वर कुमार का नाम लिया। नंदिनी ने कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को मुख्य रूप से उनकी स्विंग गेंदबाजी के लिए कॉपी करने का प्रयास किया था, क्योंकि वह बहुत अच्छा स्विंग कराते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी भुवनेश्वर कुमार से मिली हैं, तो उन्होंने ना में जवाब दिया, लेकिन तुरंत मिलने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि अगर मुझे उनसे मिलने का मौका मिलेगा तो मैं पूछूंगी कि इतना अच्छा स्विंग कैसे कराते हैं, मुझे आप टिप्स दीजिए। यह दर्शाता है कि नंदिनी अपनी गेंदबाजी में सुधार के लिए कितनी उत्सुक हैं और अपने आदर्श से प्रेरणा लेने के लिए तत्पर हैं।

नंदिनी शर्मा का जन्म 2001 में हुआ था और वह दाहिने हाथ की मध्यम गति की तेज गेंदबाज हैं, साथ ही दाहिने हाथ से बल्लेबाजी भी करती हैं। उन्होंने मई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई सीरीज के साथ अपना टी-20 डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 4 टी-20 मैच खेले हैं, जिसकी सभी 4 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 20.67 की औसत और 8.86 की इकोनॉमी रेट के साथ कुल 6 विकेट चटकाए हैं।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम, रोहित-कोहली की वापसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन

को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

गौरतलब है कि आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम, दूसरा 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

इंग्लैंड के क्रिकेटर बेथल भारतीय लड़की से प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में आये

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथल आजकल खेल की जगह पर एक भारतीय लड़की के साथ अपनी कथित प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर इस लड़की के साथ उनकी एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें वह इस लड़की के साथ बेहद दिख रहे हैं। यह तस्वीर इसी साल अप्रैल में हुए आईपीएल के 19 वे सत्र की है। इसमें बेथल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे थे। इस तस्वीर को देखकर प्रशंसक हैरान और जानना चाहते हैं कि ये कौन है। इस तस्वीर में बेथल के साथ दिख रही खूबसूरत लड़की का नाम अंकिता पटेल है। अंकिता एक जानी-मानी सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं, उसने बॉलीवुड के कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। यह तस्वीर स्वंय अंकिता के सोशल मीडिया अकाउंट से ही शेयर की गई थी, जिसने सोशल मीडिया पर प्रशंसक हैरान हैं। वहीं अंकिता ने अब तक इस क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है पर इस तस्वीर से लगता है कि कि दोनो एकदूसरे के बेहद करीब हैं। के बीच नजदीकियों की कहानी बयां कर रही है। प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साहित हैं। गौरतलब है कि जैकब बेथल का आईपीएल 2026 में रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए उन्हें कुल 7 मैचों में मौका मिला, लेकिन वह सिर्फ 96 रन ही बना पाए। इस दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें सत्र के बीच में ही स्वेदश लौटना पड़ा था। अभी वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड टीम के दल में शामिल हैं। बेथल ने इंग्लैंड के लिए 7 टेस्ट, 21 एकदिवसीय और 31 टी20 खेले हैं।

रॉकी की मूर्ति को लेकर ब्राजील के प्रशंसकों की है अजीब धारणा

न्यूयार्क । आजकल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में जारी फीफा विश्वकप फुटबॉल में प्रशंसक व्यस्त हैं। इसमें ब्राजील की हेती के खिलाफ 3-0 से जीत के बाद एक अजीब मामला सामना आया है। उसके प्रशंसक मानते हैं कि ये सफलता फिलाडेल्फिया म्यूजियम ऑफ आर्ट में लगी काल्पनिक योद्धा रॉकी की मूर्ति के पास नहीं जाने से मिली है। जहां कई टीमों के प्रशंसक फिलाडेल्फिया म्यूजियम ऑफ आर्ट में लगी काल्पनिक योद्धा रॉकी की मूर्ति के साथ तस्वीरें खिचाते हैं और उसे अपनी टीम की जर्सी पहनाते हैं। वहीं इस मूर्ति को लेकर ब्राजील के प्रशंसक एक अलग ही अंधविश्वास से ग्रस्त हैं। उनका मानना है कि इस मूर्ति को देखना टीम की हार का कारण बन सकता था। ऐसे में प्रशंसकों ने सभी से अपील की थी कि कोई भी रॉकी की मूर्ति को टीम की जर्सी न पहनाए। उनकी मान्यता थी कि यदि कोई ऐसा करता है, तो ब्राजील की टीम हैती के खिलाफ हार जाएगी। रॉकी की मूर्ति को लेकर यह अफवाह फैल गई थी कि उसे जर्सी पहनाना टीम की हार का कारण बन सकता है।

ये अफवाह हाल में इक्वाडोर को मिली हार के कारण उठी। कुछ दिन पहले ही इक्वाडोर के प्रशंसक रॉकी के पास पहुंची थे। उन्होंने गाने गाए, नाचे, अपने देश के झंडे लहराए और रॉकी को अपनी टीम की जर्सी पहनाई, यहां तक कि इस काल्पनिक योद्धा के गले में अपने देश का झंडा भी बांध दिया जिसका परिणाम ये हुआ की इक्वाडोर की टीम हार गयी। पहली बार भाग ले रही आइवरी कोस्ट की टीम ने अमाद डियालो के 90वें मिनट में किए गए गोल की सहायता से इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया था। इस अप्रत्याशित हार से ब्राजील के प्रशंसक यह मानने को मजबूर हो गये कि रॉकी की मूर्ति को जर्सी पहनाना सचमुच अशुभ है और इससे उनकी टीम भी हैती के खिलाफ हार सकती है।

इस घटना को देखते हुए इस , मूर्ति को लेकर ब्राजील के प्रशंसकों में डर बढ़ गया है। । इक्वाडोर वाले मैच को ध्यान में रखते हुए, एक प्रमुख फैन ग्रुप ने सोशल मीडिया पोस्ट से अपील की थी कि कि प्रशंसक रॉकी की मूर्ति पर ब्राजील की जर्सी न लगायें। साथ ही कहा कि जिस भी टीम के प्रशंसक ने ऐसा किया उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। ब्राजील के फैंस ने इस चेतावनी को गंभीरता से लिया ।

इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों की श्रृंखला के लिए कमर कस रही है, जो 14 से 19 जुलाई तक खेली जाएगी। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए टीम चयन से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है।

विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फॉर्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता की कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है। यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा बल्कि उनकी शारीरिक फिटनेस पर भी उतना ही निर्भर करेगा, जैसा कि विराट के मामले में देखा जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अगले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जैसे कि संभावित टी20 विश्व कप या चैंपियंस ट्रॉफी, से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ, प्रमुख खिलाड़ियों के फॉर्म और टीम संयोजन का आकलन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। बीसीसीआई सीओई खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जहां चोटिल खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर काम करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने की तैयारी करते हैं। खिलाड़ियों की चोट से उबरने की प्रक्रिया को बीसीसीआई द्वारा बहुत गंभीरता से लिया जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पूरी तरह से फिट होकर ही मैदान पर उतरें और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail - modgmmad@mp.gov.in

क्रमांक/502/खनिज/2026 बालाघाट दिनांक 8/6/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक विदर्भ स्टोन क्रेशर पता-एच.एन. 292 कटंगीकलां गोंदिया (महाराष्ट्र) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 16.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 389 दिनांक 24.04.2026 को प्रकाशित की गई थी। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	वारासिवनी	डोंगरगांव	339	2.235 हे.	शासकीय (सरकार चट्टान)	गिट्टी, बोल्डर, मुरूम	–
			कुल रकबा	2.235 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी -14650/26

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

अभिजीत दीपके ने किया 'जेल भरो आंदोलन' का आह्वान

जंतर-मंतर पर दूसरे दिन भी डटे प्रदर्शनकारी : प्रदर्शनकारियों ने रातभर धरना देकर जताया विरोध

नई दिल्ली। नीट मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर शनिवार को शुरु हुआ प्रदर्शन रविवार सुबह भी जारी है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार रात से धरनास्थल पर डटे रहे।

दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शन की अनुमति शनिवार शाम पांच बजे तक ही दिए जाने के बावजूद प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर रातभर बैठे रहे। पुलिस ने निर्धारित समय समाप्त होने के बाद स्थल खाली करने के लिए कहा, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। अभिजीत दीपके ने

देशभर के छात्रों और युवाओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि नीट री-एग्जाम देने वाले छात्र भी परीक्षा समाप्त होने के बाद इस आंदोलन का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और इसका उद्देश्य केवल परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना है। अभिजीत दीपके ने कहा कि रात के समय शौचालयों में पानी उपलब्ध नहीं था तथा कुछ समय के लिए बिजली भी बंद कर दी गई थी। प्रदर्शनकारियों ने पानी, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं में कठिनाई की शिकायत की।

सोनम वांगचुक भी हुए शामिल

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शनिवार को प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं तो वे 27 जून से अनशन शुरू करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर पर बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी आरोप लगाया।

गिरफ्तार किया तो जेल भरो आंदोलन होगा शुरु

इस बीच, अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि यदि उनकी गिरफ्तारी होती है तो देशभर में 'जेल भरो आंदोलन' शुरू किया जाए और विरोध प्रदर्शन जारी रखा जाए।

उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत मई में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई थी। पार्टी का दावा है कि उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाखों समर्थक जुड़े हुए हैं। पार्टी नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और प्रभावित छात्रों के लिए मुआवजे की मांग कर रही है।

बैहर नगर सहित सभी प्रसफुटन ग्रामो में योग कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बैहर। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार आज योग दिवस 21 जून 2026 की थीम ङ्क्षशद्दड्ड द्धशह्ल ।।द्गड्डद्यह्लद्ध4, द्दद्वद्बठ्ठद्द स्वस्थ्य आयु के लिए योग स्वस्थ्य वृद्धावस्था के लिए योग कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में व विकासखंड के 26 प्रसफुटन पंचायतों में योग शिक्षकों के निर्देशानुसार किया गया योग का उद्देश्य बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक गतिशिलता, मानसिक सतर्कता, आत्मनिर्भरता, और जीवन की गुणवत्ता को बनाये रखना है यह इस बात पर जोर देती है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं है बल्कि बढ़ती उम्र में शारीरिक और मानसिक भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर रखने का एक प्रभावशाली तरीका है। आज के योग कार्यक्रम में अर्पित गुप्ता एस डी एम बैहर, हितेश हलमारे सी एम् ओ बैहर महेश पटले जी जिला समन्वयक बालाघाट राजीव परतें जी जन भागीदारी अध्यक्ष शा अ भा वि बैहर डॉ संवेदिता कुमरे जी आयुष विभाग, डॉ देवेश चौहान आयुष विभाग बैहर कुंदन सिंह मेरावी सुरेश कुमार यादव श्रीमती संगीता उयके संदीप गजभिये, अभय यादव सहयोग नगरपालिका बैहर आयुष विभाग जन अभियान परिषद बैहर एवं सरकारी अधिकारी कर्मचारी समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित समाजसेवी उपस्थित रहे।

भटेरा रोड पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्करदो युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के समीप भटेरा रोड पर रविवार की रात हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायल युवक राकेश पिता संतोष गराडे 25 वर्ष एवं अभिषेक पिता रामबाबू यादव 27 वर्ष ग्राम बड़ी कुम्हारी बालाघाट निवासी बताए गए हैं । दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश गराडे और अभिषेक यादव ड्राइविंग का कार्य करते हैं। 21 जून रात करीब 7~45 बजे दोनों युवक मोटरसाइकिल से अपने गांव बड़ी कुम्हारी से किसी काम से बालाघाट आ रहे थे। इसी दौरान भटेरा और भटेरा चौकी के बीच बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क पर घसीटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि दूसरी मोटरसाइकिल सवार को भी चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को निजी एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवांकुर संस्था ने 12 वां अंतर्राष्टीय योग दिवस धुमधाम से मनाया गया

पद्मेश न्यूज। लांजी। जन अभियान परिषद म.प्र. बालाघाट जिला समंवयक महेश पटले, वि.ख.समंवयक संतोष नगपुरे के निर्देश में 21 जून को 12वां अंतर्राष्टीय योग दिवस नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी के द्वारा प्रात~ 6 बजे, लांजी के सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम संधि योग, प्रणायाम, तत्पश्चात सूर्य नमस्कार किया गया। जिसमें नगर के टी. सी. बिहोने (से.नि.शि.), रमेश वाकले, अमित हेजिब, डॉ. दुर्गेश तिडके, अरूण आसटकर एवं नगर के छात्र/छात्राओ ने योग के इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप समिति से नरेश आसटकर (अध्यक्ष), मुकेश आसटकर (सदस्य) व कार्यक्रम समंवयक व योग प्रशिक्षक रमेश आसटकर द्वारा सम्पूर्ण योग कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया।

अयोध्या प्रकरण : एसआईटी ने तैयार की 140 पन्नों की रिपोर्ट

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र से जुड़े गबन प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी शनिवार देर रात अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट लगभग 140 पन्नों की तैयार की गई है, जिसमें मामले से जुड़े विभिन्न तथ्यों और साक्ष्यों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। हालांकि एसआईटी के करीब 20 सहयोगी सदस्य अभी भी राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद हैं और जांच से जुड़ी सूचनाएं एकत्र कर प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

सूत्रों के मुताबिक राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव से भी एक बार फिर पूछताछ की गई। बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक चली इस पूछताछ की वीडियोग्राफी भी कराई गई। जांच से जुड़े सूत्रों का दावा है कि रिपोर्ट के आधार पर कई लोगों पर कार्रवाई की गाज गिर सकती है। दानपात्र मामले में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर कुछ सेवादारों की सेवाएं समाप्त किए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में गबन के सबूत मिले हैं। इसमें गणना और बैंक कर्मियों के साथ टिन्नू यादव की भूमिका सामने आई है। इन पर जल्द एफआईआर दर्ज हो सकती है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक जांच में ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा के अलावा निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। दोनों के खिलाफ कई गवाह सामने आए हैं और ठोस साक्ष्य भी मिले हैं। एसआईटी की जांच में कुछ ऐसे तथ्य भी सामने आए हैं, जिनमें मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी सवालों के घेरे में हैं। अयोध्या से शनिवार को लखनऊ लौटी एसआईटी सोमवार को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंप सकती है। उसके बाद दोषियों और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो सकती है।

बीजेपी ने की दो-तिहाई बहुमत की जुगाड़, लोकसभा में पास होगा परिसीमन बिल!

-टूट की सियासी घटना ने एनडीए सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचाया

नई दिल्ली। विपक्षी दलों में लगातार हो रही टूट की सियासी घटना ने केंद्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। सरकार में यह भरोसा बढ़ रहा है कि अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र तक वे संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरुरी दो-तिहाई बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल कर लेंगे। एक रिपोर्ट में एक केंद्रीय मंत्री के हवाले से बताया गया है कि हमें पूरा भरोसा है कि मॉनसून सत्र तक हम महिला आरक्षण को लोकसभा और विधानसभा सीटों के नए परिसीमन से जोड़ने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी संख्या बल जुटा लेंगे।

केंद्र सरकार दो बेहद अहम संविधान संशोधन विधेयकों को संसद से हरी झंडी दिखाने की तैयारी में है, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। महिला आरक्षण और परिसीमन। इस कानून के जरिए देश में महिला आरक्षण को लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और सीमाओं को दोबारा तय करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। बीजेपी साल 2029 के आम चुनाव से काफी पहले पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का कानून बनाना चाहती है। बीजेपी रणनीतिकारों का मानना है कि एक साथ चुनाव होने से पार्टी को राज्य चुनावों में भी राष्ट्रीय मुद्दों जैसे सुरक्षा, संप्रभुता और राष्ट्रीय गौरव पर वोट मांगने का सीधा लाभ मिलेगा।

बता दें 540 की प्रभावी संख्या वाली वर्तमान लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 वोटों की जरुरत है। लोकसभा में एनडीए की वर्तमान ताकत 293 है। तृणमूल कांग्रेस के 28 में से 20 बागी सांसदों के जुड़ने की उम्मीद है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 बागी सांसदों के आने की संभावना है। इन दोनों को मिलाकर यह आंकड़ा 319 तक पहुंच जाता है, जो अभी भी 360 के लक्ष्य से दूर है। हालांकि बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने बताया है कि वह इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हैं कि 37 लोकसभा सांसदों वाली समाजवादी पार्टी समेत कई अन्य विपक्षी दल अगले कुछ हफ्तों में बड़ी बगावत का स्वाद चखने वाले हैं। बीजेपी के एक सूत्र ने कहा कि अगले कुछ हफ्तों में कई विपक्षी दलों के भीतर ऐसे राजनीतिक भूकंप आने वाले हैं, जो उन्हें अंदर से पूरी तरह खोखला कर देंगे।

विपक्ष को डर है कि पूरे देश में होने वाला यह नया परिसीमन बीजेपी को एक स्थायी संरचनात्मक लाभ दे सकता है। विपक्षी दल असम में हुए परिसीमन का उदाहरण देते हैं, जहां कुछ खास आबादी वाले क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह बदला जिससे विपक्ष की पारंपरिक सीटों का गणित बिगड़ गया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों को मनमाने ढंग से बदलने का आरोप लगाया था। हालांकि, सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। सरकार का तर्क है कि 1971 की जनगणना के बाद से आबादी में भारी बढ़ोतरी के बावजूद सीटें नहीं बढ़ाई गई हैं, इसलिए यह सुधार अब अपरिहार्य हो चुका है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी दलों को तोड़ना और देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने वाले ऐतिहासिक कानूनों को पारित कराना पीएम मोदी की उस विरासत का हिस्सा है, जिसे वे देश के सामने छोड़ना चाहते हैं।

उकवा में मनाया गया योग दिवस

पद्मेश न्यूज। उकवा। शासन के निर्देशानुसार संपूर्ण भारतवर्ष में 12वां अंतर्राष्टीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसके तहत शासन के निर्देशानुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला उकवा एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला उकवा में नवागत प्राचार्य विपिन गोयल एवं प्रभारी प्राचार्य श्रीमती पंकज राणा की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय 12वां योग दिवस मनाया गया जो की प्रार्थना 6~30 बजे से लेकर प्रारंभ किया गया योग दिवस में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं शिक्षक शिक्षिकाएं कपिल मेश्राम युवराज बहेटवार दीपक राणा श्रीमती सविता मेश्राम मनोज गौतम जे एल राणा पवन सिंह गौड दिनेश वाहने प्रमोद वराडे एवं संजय सेलोकर इसी प्रकार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उकवा सी एल नागवंशी धीरेंद्र नगपुरे डी एन बिसेन आदि शिक्षक शिक्षिकाएं तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे व्यायाम शिक्षकों के द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को तथा छात्र-छात्राओं को इसी प्रकार का व्यायाम प्रतिदिन करना चाहिए योग शरीर मन और आत्मा को जोड़ने और संतुलित करने का एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि स्वास्थ्य नियंत्रण ध्यान और अनुशासन आसन और प्राणायाम के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य शांति और आत्म जागृति प्राप्त करने की कला है।

पॉली अकादमिक संस्थान बिसोनी में हुआ योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) के निर्देशानुसार 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर विद्यालय पॉली अकादमिक संस्थान बिसोनी में योग दिवस का आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख श्रीमति बंदना वैद्य के मुख्य आतिथ्य व प्राचार्य श्रीमति श्रध्दा कांड्रा, प्रबंधक संजय चौर, समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में अंतराष्टीय योग दिवस कार्यक्रम का विद्यालय प्रांगण में आयोजन किया गया। इस वर्ष 12 वा अंतराराष्टीय योग दिवस मनाया जा रहा है। जिसकी मुख्य थीम है स्वस्थ आयु के लिए योग। योग के द्वारा मानव शरीर और मन के बीच सामंजस्य लाकर प्रकृक्ति की और करीब पहुंचता है। योग से शारीरिक स्वास्थ्य में वृध्दि तथा मानसिक शांति व स्थिरता प्राप्त होती है। विद्यालय की योग प्रशिक्षिका भगवंती खान के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के योगासन जैसे सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, शवासन, पद्मासन व प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभारती, उज्जायी का बारी-बारी अभ्यास कराया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र/छात्राओं तथा शिक्षकों ने भाग लिया।

अब नदियों के पानी का हिसाब देगा सैटेलाइट, वैज्ञानिक रखेंगे हर नदी पर पैनी नजर

नई दिल्ली। वैज्ञानिक अब अंतरिक्ष से पृथ्वी की हर एक नदी पर पैनी नजर रखने की तैयारी कर रहे हैं। अमूमन लोग नदियों के बारे में तब सोचते हैं जब बाढ़ आती है या सूखा पड़ता है, लेकिन नदियां हमारे पूरे ईकोसिस्टम को आपस में जोड़ती हैं। दुनिया की एक बड़ी आबादी पीने के पानी के लिए पूरी तरह नदियों पर ही निर्भर है। दुनिया की कई नदियां दूरदराज इलाकों में हैं। वहां जाकर पानी की जांच करना और नदियों की सेहत का पता लगाना मुश्किल है। इसी समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने नया रास्ता खोजा है। एक नई रिसर्च में दावा किया गया है कि सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग तकनीक अब एडवांस हो चुकी है। इस तकनीक की मदद से ग्लोबल स्केल पर नदियों के पानी की क्वालिटी और उनके स्वास्थ्य को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक नदियों को ट्रैक करना पहली नजर में बहुत आसान काम लगता है। सदियों से इंसानों ने नदियों के नक्शे तैयार किए हैं, लेकिन हकीकत इससे बहुत ज्यादा अलग और जटिल है। एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग की प्रोफेसर डोंगमी फेंग ने कहा कि नदियों और खासकर छोटे झरनों को परिभाषित करना बहुत कठिन काम है। नदियां लगातार बदलती रहती हैं और कई बार गायब भी हो जाती हैं। दुनिया में कई ऐसी नदियां हैं जो महीनों या सालों तक सूखी रहती हैं।

बालाघाट जिले के 08 केंद्रों पर शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई री-नीट (यूजी) परीक्षा, 89.43 प्रतिशत रही उपस्थिति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्टीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (ह्वश्वश्वञ्ज-त्र) री-एग्जाम 2026 का आयोजन शनिवार 21 जून को जिले के 08 परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। परीक्षा में कुल 3112 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2783 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 329 अनुपस्थित रहे। जिले में कुल उपस्थिति प्रतिशत 89.43 प्रतिशत दर्ज किया गया।

नीट परीक्षा में केंद्रवार उपस्थिति एवं अनुपस्थिति का विवरण इस प्रकार है

सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 600 परीक्षार्थियों में से 509 उपस्थित एवं 91 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 84.83 प्रतिशत रही।शासकीय कन्या उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय, बुढ़ी, बालाघाट में 232 में से 214 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 18 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 92.24 प्रतिशत दर्ज की गई। शासकीय कमला नेहरू गर्ल्स कॉलेज, बालाघाट में 240 में से 226 उपस्थित एवं 14 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 94.17 प्रतिशत रही। शासकीय एम एल बी विद्यालय, बालाघाट में 480 परीक्षार्थियों में से 424 उपस्थित एवं 56 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 88.33 प्रतिशत रही। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालाघाट में 240 में से 220 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 20 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 91.67 प्रतिशत रही। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में 480 में से 403 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 77 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 83.96 प्रतिशत दर्ज की गई। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली-बालाघाट में 360 में से 336 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 24 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 93.33 प्रतिशत रही। जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 480 परीक्षार्थियों में से 451 उपस्थित एवं 29 अनुपस्थित रहे। यहां उपस्थिति का प्रतिशत 93.96 रहा। जिला प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। अधिकारियों ने परीक्षा संचालन की सतत निगरानी कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उ'च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 21 जून को 12 वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। साथ ही सामान्य योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास किया गया। योग हमारे शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। वहीं एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे एवं श्रीमती रीतु बिसेन के द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। जिसमें सूर्य नमस्कार और प्राणायाम सामान्य योग की विभिन्न मुद्राओ से अभ्यास करवाकर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियॉ प्रदान की गई। आभार प्रदर्शन श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, इकबाल खान सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राम मंदिर चढ़ावे चोरी में एसआईटी को मिले अहम सबूत, चंपत राय शक के दायरे में

अयोध्या। अयोध्या में स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की जांच कर रही एसआईटी को अहम सबूत मिले हैं। एसआईटी रविवार या सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस पूरे मामले में एसआईटी ने अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका संदिग्ध पाई है। एसआईटी को सीसीटीवी फुटेज से रकम पार किए जाने के साक्ष्य मिले हैं। कुछ सीसीटीवी फुटेज डिलीट किए जाने का भी शक है। एसआईटी ने लापरवाही और साजिश इन दोनों पहलुओं की जांच की है। दान राशि की गणना प्रक्रिया की निगरानी तंत्र पूरी तरह फेल हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टिन्नू यादव, कुछ गरणाकर्मी और बैंक कर्मियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। ट्रस्ट के पदाधिकारी के अयोध्या छोड़ने पर एसआईटी ने रोक लगा दी है। एसआईटी ने ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा और निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका को संदिग्ध बताया है। महासचिव चंपत राय भी सवालों के घेरे में हैं। एसआईटी ने छह दिनों में करीब 150 लोगों से पूछताछ की है। ट्रस्ट के तीन पदाधिकारियों समेत प्रबंधन के 20-25 लोगों की लापरवाही या संलिप्तता सामने आई है। 6 कर्मचारी एसबीआई के और टीसीएस के 6 कर्मियों से पूछताछ हुई। एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा एसआइटी नए सिरे से ट्रस्ट का गठन करने, पारदर्शिता के लिए काशी विश्वनाथ की तर्ज पर कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति, ट्रस्ट के सरकारी पदेन तीन सदस्यों को चढ़ावे की गणना की जिम्मेदारी बढ़ाई जाने, तय समय में चढ़ावे का ऑडिट कराए जाने और उसकी रिपोर्ट शासन को देने, कर्मचारियों की भर्ती को पारदर्शिता बनाए जाने, सिफारिश के आधार पर भर्ती ना करने, बैंक गणना कार्यों में अपने नियमित कर्मचारियों को लगाने और निगरानी तंत्र को और मजबूत करने का सुझाव दे सकती है।

न्यूज गैलरी

पेट्रोल टैंक के पास बोलेरो खड़ी करने पर विवाद

बोलेरो चालक ने पेट्रोल पंप के कर्मचारी से की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम खुर्शीपार स्थित श्री साईं समर्थ पेट्रोल पंप पर शनिवार रात एक कर्मचारी से बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। बोलेरो चालक ने सिर्फ इतनी बात पर कर्मचारी को मारपीट कर उसे उठाकर पटक दिया कि उसने पेट्रोल टैंक के पास गाड़ी खड़ी करने से मना किया था। इस घटना में घायल पेट्रोल पंप के कर्मचारी अविरल पिता अशोक ठाकरे 29 वर्ष ग्राम भटलई थाना मलाजखंड निवासी है। जिसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उज्जवल ग्वाल मरारी टोला थाना बिरसा निवासी की विरुद्ध मामला कायम कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अविरल ठाकरे श्री साईं समर्थ पेट्रोल पंप खुर्शीपार में वाहनों में पेट्रोल डीजल भरने का काम करता है। 20 जून की रात करीब 9ः40 बजे अविरल पंप पर वाहनों में ईंधन भर रहा था। इसी दौरान मरारीटोला बिरसा निवासी उज्जवल ग्वाल अपनी बोलेरो लेकर पहुंचा और उसने गाड़ी सीधे पेट्रोल टैंक के पास खड़ी कर दी। अविरल ने सुरक्षा कारणों से उसे वहां गाड़ी खड़ी करने से मना किया। इस पर उज्जवल भड़क गया और बोलेरो से उतरकर अविरल से बोल बोला की गा ?ी खड़ी करने मना करने वाला कौन होता है। इसके बाद वह अविरल को गालियां देने लगा। अविरल ने उसे गालियां देने मना किया। तभी उज्ज्वल ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया। इससे अविरल गंभीर रूप से घायल हो गया। पंप पर मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। उज्जवल ग्वाल ने जाते जाते गाड़ी खड़ी करने से मना करने पर अविरल को जान से मार डालने की धमकी दे दी।घटना के बाद अविरल अपने साथियों के साथ मलाजखंड थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घायल अविरल क का बिरसा अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाया।मलाजखंड पुलिस ने आरोपी उज्जवल ग्वाल के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैनगंगा नदी के जागपुर घाट में नहाने गए एक व्यक्ति की डूबने से मौत

होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीम ने 1 घंटे की मशक्कत के बाद रघु जी का निकाले शव

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कोतवाली क्षेत्र में आने वाली बैनगंगा नदी के जागपुर घाट में रविवार को दोपहर में उस समय सनसनी फैल गई। जब इस नदी में एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। मृतक रघु जी पिता वेंकटेश राणा 34 वर्ष हरिओम नगर बालाघाट निवासी बताये गये है।यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति नदी में नहाने के लिए आया था। होमगार्डऔर एसडीआरएफ की टीम ने मशक्कत के बाद इस व्यक्ति का शव बाहर निकाले। कोतवाली पुलिस ने इस व्यक्ति का शव मौके से बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भिजवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रघु जी राणा अपने परिवार के साथ ही बालाघाट नगर के हरिओम नगर वार्ड नंबर 33 में रहते थे जिसके परिवार में माता-पिता पत्नि के अलावा अन्य लोग भी है। बड़ा भाई और भाभी बाहर जिले में नौकरी करते हैं। पिता सेवानिवृत शिक्षक है। रघु जी राणा नौकरी की तलाश में थे। कुछ दिन पहले उनकी पत्नी मायके नांदी मोहगांव गई हुई थी। बताए गए हैं कि रघु जी राणा अक्सर बैनगंगा नदी नहाने जाते रहते थे। 21 जून को सुबह 9ः30 बजे रघु जी राणा मोटरसाइकिल में बैनगंगा का जागपुर घाट नहाने के लिए गए थे। नदी किनारे मोटरसाइकिल खड़े कर नहाने चले गए थे। रघु जी राणा जहा नहा रहे थे वहीं से कुछ और लड़के नहा रहे थे। नहाते नहाते रघु जी राणा इन लड़कों को दिखाई नहीं दे रहे थे तब उन्होंने आसपास तलाश किया जाकर देखें कपड़े चप्पल बाजू में रखे थे किंतु वे दिखाई नहीं दे रहे थे। आशंका होने पर इन लड़कों ने डायल 112 को सूचना दिए। सूचना मिलती ही डायल 112 अलावा कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची।किनारे कपड़े चप्पल थे लेकिन यह व्यक्ति नहीं था और कोतवाली पुलिस ने नदी किनारे ख ?ी मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर परिजनों से संपर्क किये तब उनके पिता वेंकटेश राणा कोतवाली पहुंचे। कोतवाली पुलिस वेंकटेश राणा को लेकर बेनगंगा नदी पहुंचे। और उन्होंने मोटरसाइकिल कपड़े चप्पल से अपने बेटे रघु जी राणा की पहचान की। इस दौरान मौके पर लोगों का हुजूम लग गया था।सूचना मिलते ही होमगार्ड क्यु. आर.टीम एसडीआरएफ के 7 सदस्य टीम बैनगंगा नदी के जागपुर घाट पहुंची।रेस्क्यु ऑपरेशन चला कर1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रघुजी राणा 34 वर्ष का शव नदी से बाहर निकाले। रघु जी राणा की नदी में नहाते समय गहरे पानी में जाने से उनकी डूबने से मौत हुई। कोतवाली पुलिस ने मौके से शव बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भिजवा दिया है। जिनके शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जिसका पोस्टमार्टम 22 जून को किया जाएगा।

शव को बाहर निकालने इन लोगों ने किये मशक्कत

रघु जी राणा के शव को नदी से बाहर निकालने के दौरान होमगार्ड और एसडीआरएफ टीम के हवलदार रामभरोस वरकड़े,सैनिक धनलाल गौतम,सैनिक युवराज ठाकरे,सैनिक योगेश बघेल, सैनिक आशीष साहू,राजेश धुर्वे ,कमलेश मरावी,वाहन चालक देवेंद्र गेडाम की उपस्थिती सराहनीय रही।

बच्चों के स्कूल मार्ग को लेकर विवाद

हमले में सरपंच सहित छह लोग घायल

एक ही परिवार के चार लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चीनी के बर्राटोला में बच्चों के स्कूल आने-जाने के रास्ते को लेकर चल रहा विवाद शनिवार देर शाम हिंसक झड़प में बदल गया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट और पत्थरबाजी में ग्राम पंचायत की सरपंच प्रमिला हैराम उइके सहित 6 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चार लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में एक ही परिवार के चार लोगों की विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चीनी के बर्राटोला में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के कारण स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। समस्या के समाधान के लिए 17 जून को राजस्व एवं पुलिस विभाग की मौजूदगी में पंचायत ने अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाया था। इसी के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम रास्ते पर गड्ढे खोदने की बात को लेकर विवाद फिर भड़क उठा। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद मारपीट में बदल गया। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें सरपंच प्रमिला हैराम उइके समेत छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण परसवाड़ा थाना पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सरपंच की शिकायत पर पुलिस ने देर रात आरोपी व्यासमून तिवारी उनकी पत्नी कौशल्या तिवारी बेटा वेदमून तिवारी और बेटी दुर्गा तिवारी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट जान से मारने की धमकी और जातिगत रूप से अपमानित करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) तथा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(वी ए) सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है।पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है

फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट